राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

देश की उपासना

जौनपुर से प्रकाशित

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 263 | जौनपुर | मंगलवार, 13 मई 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

नर्स डे पर जिला चिकित्सालय में स्टाफ नर्सों ने किया रक्तदान

अयोध्या जिला चिकित्सालय में अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर सोमवार को स्टाफ नर्सों ने रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की। इस नेक कार्य में स्टाफ नर्स हेमलता ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया और रक्तदान कर दूसरों के लिए प्रेरणा बनीं। कार्यक्रम का आयोजन अस्पताल प्रशासन द्वारा किया गया, जिसमें नर्सों ने अपनी सेवा भावना और समर्पण को रक्तदान के माध्यम से प्रदर्शित किया।नर्स दिवस के मौके पर आयोजित इस रक्तदान शिविर में स्टाफ नर्सों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हेमलता ने बताया कि नर्सिंग पेशा केवल मरीजों की देखभाल तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज सेवा भी इसका अभिन्न हिस्सा है।

ऑपरेशन सिंदूर की गूंज हर कोने में सुनाई दे रही : पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार की सुबह आदमपुर एयरबेस का दौरा किया। इस एयरबेस पर पहुंचकर उन्होंने सैनिकों से मुलाकात की तो यह पाकिस्तान के उस प्रोपेगेंडा का भी जवाब दिया कि यहां सब कुछ सही है। एस–400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम और सुखोई एयरक्राफ्ट साथ में दिखे। इन्हें ध्वस्त करने का दावा पाकिस्तान ने किया था। इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने सैनिकों को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि हमारी मिसाइलों से दुश्मन कांप गया है। दशकों तक ऑपरेशन सिंदूर का जब जिक्र होगा तो आपके पराक्रम को नमन किया जाएगा। पीएम मोदी ने कहा कि भारत माता की जयघोष में वह ताकत है कि दुश्मन कांप जाता है। इस दौरान बार–बार भारत माता की जय के नारे लगते रहे। प्रधानमंत्री ने कहा कि दुश्मन ने पीछे से वार किया था, लेकिन आपने सामने से मारा। आपके पराक्रम से 9 से ज्यादा आतंकी ठिकाने तबाह हो गए और 100 आतंकवादी मारे गए। आपने बता दिया कि हम घर में घुसकर मारेंगे। पाकिस्तानी सेना को भी आपने बताया है कि आतंकियों के लिए अब पाकिस्तान में कोई भी जगह सुरक्षित नहीं है। हमने स्पष्ट किया है कि निर्दोष लोगों का खून बहाने का एक ही अंजाम होगा– तबाही। उन्होंने महाराणा प्रताप के घोड़े चेतक पर लिखी पंक्तियों का भी जिक्र किया– कौशल दिखलाया चालों में, उड़ गया भयानक भालों में। निर्भीक गया वह ढालों में,सरपट दौड़ा करवालों में।जांच अधिकारी पर दबाव आदमपुर एयरबेस पहुंचे पीएम मोदी ने कहा कि हमारी एयरफोर्स ने 20 से 25 मिनट के भीतर ही सीमा पार लक्ष्यों को भेदा। एकदम सटीक टारगेट को हिट करना और आतंकियों को ढेर करना एक पेशेवर सेना ही कर सकती है। उन्होंने कहा कि दुश्मन को पता भी नहीं चला कि कब उसका सीना छलनी हो गया। पीएम मोदी ने कहा, श्हमारा लक्ष्य पाकिस्तान के अंदर बैठे आतंकियों को टारगेट करना था। लेकिन पाकिस्तान ने अपने यात्री विमानों को सामने करके साजिश रची।

दिल्ली सरकार में होने वाला दो दिवसीय विधानसभा सत्र किया रद्द

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने मंगलवार और बुधवार को होने वाली अपनी दो दिवसीय विधानसभा की बैठक स्थगित कर दी है तथा सत्र की नई तारीखों की घोषणा आने वाले दिनों में की जाएगी। विधानसभा अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सरकार ने इस कदम के पीछे कोई कारण नहीं बताया। संभावना है कि सत्र के दौरान निजी स्कूलों की फीस को विनियमित करने के लिए दिल्ली स्कूल शिक्षा (फीस निर्धारण और विनियमन में पारदर्शिता) विधेयक, 2025 को पेश किया जाएगा और पारित किया जाएगा। उप सचिव मुकेश सी शर्मा द्वारा जारी आदेश में कहा गया है, षदिल्ली की आठवीं विध ाानसभा के दूसरे सत्र (बजट सत्र) के दूसरे भाग की 13 मई (मंगलवार) और 14 मई (बुधवार) को होने वाली बैठक रद्द कर दी गई है। सरकार ने सत्र को स्थगित करने का फैसला किया है। नई तारीखों की घोषणा बाद में की जाएगी। इससे पहले, दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने पाकिस्तान के साथ संघर्ष के कारण स्थायी समिति और वार्ड समिति के सदस्य के लिए चुनाव स्थगित कर दिया था। एमसीडी के एक अधिकारी ने कहा, ष्नगर निगम सचिवालय कार्यालय मंगलवार को नई तारीखों पर फैसला ले सकता है। दिल्ली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को सचिवालय में अपने विधायक दल की बैठक की और दो दिवसीय सत्र के दौरान उठाए जाने वाले विधेयकों और मुद्दों तथा पिछले दो महीनों में सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाओं पर चर्चा की। 29 अप्रैल को, दिल्ली कैबिनेट ने शहर के निजी स्कूलों में फीस को विनियमित करने के लिए दिल्ली स्कूल शिक्षा (फीस के निर्धारण और विनियमन में पारदर्शिता) विध ेयक 2025 के मसौदे को मंजूरी दी। यह विधेयक शहर के सभी 1,677 निजी गैर–सहायता प्राप्त स्कूलों पर लागू होगा और स्कूलों द्वारा फीस निर्धारण की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने तथा इस प्रक्रिया में अभिभावकों को शामिल करने का प्रयास करेगा। निजी स्कूलों में फीस वृद्धि के खिलाफ शहर भर के अभिभावकों द्वारा विरोध प्रदर्शन के बाद यह विधेयक लाया गया।

संक्षिप्त समाचार

आतंकवाद के खिलाफ पूरा देश केंद्र सरकार के साथ

शिमला। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व सांसद प्रतिभा सिंह ने कहा है कि पूरा देश आंतकवाद के खिलाफ किसी भी फैंसले पर केंद्र सरकार के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को पाकिस्तान के खिलाफ आंतकवाद की इस लड़ाई में किसी बाहरी देश के दबाव में नहीं आना चाहिए। प्रतिभा सिंह ने सोमवार को शिमला में कहा कि केंद्र सरकार को जल्द ही संसद का विशेष सत्र बुला कर देश पाकिस्तान के साथ संघर्ष विराम की पूरी जानकारी देन उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मलिकार्जुन खडगे और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आग्रह पर गौर करते हुए संसद का विशेष सत्र बुला कर पूरी वस्तुस्थिति से देश को अवगत करवाना चाहिए। प्रतिभा सिंह ने कहा है कि पहलगाम में जिस प्रकार से पाक प्रायोजित आतंकवादियों ने निर्दोष लोगों की निर्मम हत्या की उसका पूरा बदला लिया जाना चाहिए।

भारत में शुरू हुई ई पासपोर्ट की पहल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत में नया पासपोर्ट बनवाने की प्रक्रिया अधिक सरल और सुरक्षित हो गई है। अबतक एयरपोर्ट पर यात्री पारंपरिक कागज से बना हुआ पासपोर्ट उपयोग किया जाता था। इस पारंपरिक पासपोर्ट में नया बदलाव जोड़ा गया है जो कि इसका डिजिटल रुप है। अब ई पासपोर्ट की शुरुआत की जाएगी। इस पासपोर्ट में यात्री की पहचान और निजी जानकारी को बेहतर तरीके सुरक्षित करने के लिए मॉडर्न तकनीक शामिल की गई है। ई पासपोर्ट देखने में आम पासपोर्ट जैसा होता है। इसमें एक चिप लगी होती है। ये चिप फोटो, उंगलियों के निशान, नाम, जन्मतिथि, अन्य जरुर जानकारी डिजिटल रुप में दर्ज कराई जाती है। वहीं पासपोर्ट के कवर पर खान गोल्डन रंग का निशान होता है। इस गोल्डन रंग से ही पता चलता है कि ये ई पासपोर्ट है। बता दें कि इस पासपोर्ट को पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर एक अप्रैल 2024 में लॉन्च किया गया था। इस पासपोर्ट में कागज और इलेक्ट्रॉनिक पासपोर्ट का एक संयुक्त रूप है, जिसमें रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) चिप और एक एंटीना का उपयोग किया जाता है, जिसमें पासपोर्ट ध ाारक की व्यक्तिगत और बायोमेट्रिक जानकारी दर्ज होती है। ई–पासपोर्ट का एक महत्वपूर्ण लाभ यह है कि इससे पासपोर्ट धारक के डेटा की अखंडता को बनाए रखने की क्षमता मिलती है। ई–पासपोर्ट में पुस्तिका पर मुद्रित रूप में डेटा और एक डिजिटल हस्ताक्षरित इलेक्ट्रॉनिक चिप शामिल होती है, जिसे दुनिया भर के आव्रजन अधिकारियों द्वारा सुरक्षित रूप से प्रमाणित किया जा सकता है। डेटा का मुद्रित रूप और डिजिटल हस्ताक्षरित चिप, दोनों होने से पासपोर्ट को जालसाजी और नकली पासपोर्ट या डुप्लिकेट पासपोर्ट जैसी संभावित धोखाधड़ी गतिविधियों से सुरक्षित रखने में मदद मिलती है। सार्वजनिक कुंजी अवसंरचना समाधान संवेदनशील जानकारी की ।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद सैनिकों के बीच पहुंचे पीएम मोदी, आदमपुर एयरबेस पर की मुलाकात

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुबह–सुबह प्रधानमंत्री मोदी पंजाब के आदमपुर एयरबेस पहुंचे। वहां उन्हें वायुसेना के जवानों ने जानकारी दी और जवानों से बातचीत भी की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पाकिस्तान को दिए गए सख्त और स्पष्ट संदेश के एक दिन बाद, जम्मू–कश्मीर और सीमावर्ती शहरों में भी संघर्ष विराम व्यवस्था बरकरार रही। सोमवार रात को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि भारत ने इस्लामाबाद के आतंकवादियों और सैन्य ठिकानों के खिलाफ अपनी जवाबी कार्रवाई को रोक दिया है, इसे समाप्त नहीं किया है। उन्होंने पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि भारत किसी भी परमाणु ब्लैकमेल को बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि इस्लामाबाद के खिलाफ अभियान स्थगित कर दिए गए हैं और भविष्य उनके व्यवहार पर निर्भर करेगा। हालांकि, उनके संबोधन के कुछ ही देर बाद जम्मू–कश्मीर के सांबा में 10 से 12 ड्रोन को रोका गया। पंजाब के होशियारपुर प्रशासन ने भी कहा कि विस्फोटों की आवाज सुनी गई। इस बीच, भारत और पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशकों ने सोमवार को शाम करीब 5 बजे हॉटलाइन पर एक–दूसरे से करीब 30 मिनट तक बात की। उन्होंने 10 मई को एक–दूसरे के खिलाफ सभी सैन्य कार्रवाइयों को रोकने के लिए बनी सहमति को कायम रखने पर चर्चा की।

कांग्रेस को बड़ा झटका, राहुल गांधी के बिहार दौरे से पहले पार्टी के 17 नेता भाजपा में शामिल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बिहार दौरे से कुछ ही दिन पहले पार्टी को बड़ा झटका लगा है। कटिहार जिले के 17 प्रमुख नेता कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए हैं। यह राजनीतिक बदलाव वरिष्ठ कांग्रेस नेता और छह बार के सांसद तारिक अनवर के खिलाफ गंभीर आरोपों के साथ हुआ है। इससे पार्टी के भीतर दरार और गहरी हो गई है और राज्य में कांग्रेस की ताकत पर सवाल उठ रहे हैं। इस नाटकीय बदलाव का नेतृत्व कांग्रेस से जुड़े श्रमिक संगठन के अध्यक्ष विकास सिंह ने किया। उन्होंने तारिक अनवर पर अपने कार्यों और बयानबाजी दोनों में उच्च जाति विरोधी मानसिकता को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। पटना में आयोजित एक समारोह में बिहार के पीएचईडी मंत्री नीरज कुमार सिंह बबलू की मौजूदगी में भाजपा में शामिल होते हुए सिंह ने कहा, यह तो बस शुरुआत है। आने वाले दिनों में सैकड़ों–हजारों कार्यकर्ता भाजपा में शामिल होने के लिए तैयार हैं। सिंह के अनुसार, 17 प्रभावशाली उच्च जाति के कांग्रेस नेताओं का पाला बदलने का फैसला अनवर के कथित पक्षपात और रवैये के खिलाफ बढ़ते आक्रोश से उपजा है। उन्होंने आरोप लगाया कि अनवर की कार्यशैली ने उच्च जाति के समर्थकों के एक बड़े वर्ग को अलग–थलग कर दिया है – कटिहार में एक प्रभावशाली मतदाता समूह, जहाँ जातिगत गतिशीलता अक्सर चुनावी नतीजों को आकार देती है। नेताओं का पलायन और जातिगत आक्रोश ऐसे समय में सामने आया है जब कांग्रेस पहले से ही इंडिया ब्लॉक के भीतर आंतरिक असंतोष का सामना कर रही है। इस तरह के घटनाक्रम तारिक अनवर के पारंपरिक समर्थन आधार को खत्म कर सकते हैं और उनकी छवि को धूमिल कर सकते हैं। अनवर के नेतृत्व में लंबे समय से कांग्रेस का गढ़ माने जाने वाला कटिहार अब राजनीतिक रूप से कमजोर होता दिख रहा है।

युद्धविराम को लेकर ट्रंप के दावे पर : खड़गे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत और पाकिस्तान के बीच शांति समझौते का श्रेय लेने पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा कि यह मामला गोपनीय है और इस पर सर्वदलीय बैठक में चर्चा की जाएगी। खड़गे ने संवाददाताओं से कहा कि यह गोपनीय मामला है। हम सर्वदलीय बैठक में हर बात पर चर्चा करेंगे। इस बारे में यहां बात करना उचित नहीं है। भाकपा नेता डी राजा ने कहा कि प्रधानमंत्री को विपक्ष द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देना चाहिए और इसके लिए संसद का विशेष सत्र बुलाना जरूरी है। डी राजा ने कहा कि एक राष्ट्र के रूप में भारत आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एकजुट है। लेकिन पीएम को कुछ प्रासंगिक सवालों के जवाब देने चाहिए थे। पहलगाम आतंकी हमला कैसे हुआ? हमारी ओर से क्या चूक हुई? भारत और पाकिस्तान के बीच समझ कैसे बनी और अमेरिका की क्या भूमिका थी? सच्चाई क्या है? आगे क्या होगा, कोई नहीं जानता। हमारी पार्टी संसद के विशेष सत्र की मांग कर रही है, पीएम को सरकार की स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। भारत और पाकिस्तान के बीच शत्रुता समाप्त करने की समझ की ओर बढ़ने के बीच, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) नेता टीकेएस एलंगोवन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मध्यस्थता के कथित प्रयासों का स्वागत करते हुए इसे एक श्अच्छा कदमश कहा। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत सरकार को ट्रम्प के साथ हुई चर्चाओं की प्रकृति को स्पष्ट करना चाहिए, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार रात अपने संबोधन में इसका उल्लेख नहीं किया। एलनगोवन ने सोमवार को एएनआई से कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दावा है कि उन्होंने युद्ध रोकने के लिए दोनों सरकारों से चर्चा की थी और प्रधानमंत्री ने इस बारे में कुछ नहीं कहा। ट्रंप ने यह बयान क्यों दिया। क्या उन्होंने भारत सरकार से बात की? अगर उन्होंने चर्चा की है, तो उन्हें कहना चाहिए। युद्ध रोकना ट्रंप का एक अच्छा कदम है।

शोपियां में एनकाउंटर जारी, सुरक्षाबलों ने तीन आतंकियों को किया ढेर

जम्मू–कश्मीर, (एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर के दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले के केल्लर के शुकरू वन क्षेत्र में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में लश्कर–ए–तैयबा के तीन आतंकवादी मारे गए हैं। एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने बताया कि कुछ आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद केल्लर के जंगलों में व्यापक घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया गया था। जैसे ही पुलिस और सेना की टीम ने तलाशी अभियान शुरू किया, छिपे हुए आतंकवादियों ने पार्टी पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। गोलीबारी के दौरान लश्कर के तीन आतंकवादी मारे गए, हालांकि आतंकवादियों की पहचान का पता लगाया जा रहा है। भारतीय सेना ने कहा कि आज

आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर भारतीय सेना ने तलाशी अभियान शुरू किया। अभियान के दौरान आतंकवादियों ने भारी गोलीबारी की और भीषण गोलीबारी हुई, जिसके परिणामस्वरूप तीन कट्टर आतंकवादी मारे गए। अभियान जारी है। दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार की सुबह पंजाब में आदमपुर वायु सेना केंद्र पहुंचे और वहां वायु सेना के उन जवानों से बातचीत की जो पाकिस्तान के साथ हाल में हुए सैन्य संघर्ष के दौरान कार्रवाई में शामिल थे।

मोदी सरकार पहलगाम पर करेगी कारगिल समीक्षा समिति जैसी जांच

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस ने मंगलवार को एक बड़ा सवाल खड़ा करते हुए पूछा कि क्या मोदी सरकार पहलगाम की घटना पर भी वैसी ही समीक्षा कराएगी जैसी 1999 में

वाजपेयी सरकार ने कारगिल युद्ध के बाद की थी? साथ ही पार्टी ने प्रध ाानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक और संसद का विशेष सत्र बुलाने की अपनी पुरानी मांग दोहराई, और कहा कि अमेरिका से आई हालिया टिप्पणियों के बाद यह मांग और भी जरूरी हो गई है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, कारगिल युद्ध खत्म होने के तीन दिन बाद, 29 जुलाई 1999 को वाजपेयी सरकार ने कारगिल समीक्षा समिति बनाई थी। इसकी रिपोर्ट 23 फरवरी 2000 को संसद में रखी गई थी, हालांकि उसकी कुछ बातें आज भी गोपनीय हैं और रहनी भी चाहिए। उन्होंने लिखा, उस कमेटी की अध्यक्षता भारत के रणनीतिक मामलों के विशेषज्ञ के. सुब्रह्मण्यम ने की थी, जो विदेश मंत्री एस. जयशंकर जी के पिता हैं। क्या मोदी सरकार अब पहलगाम की घटना पर वैसी ही कोई जांच कराएगी, भले ही एनआईए जांच कर रही हो? जयराम रमेश के इस बयान के पीछे अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का एक बड़ा दावा है। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में भारत और पाकिस्तान के बीच एक परमाणु संघर्ष टल गया था और इसमें अमेरिका की भूमिका रही। ट्रंप ने कहा, शनिवार को हमने भारत और पाकिस्तान के बीच एक पूर्ण और तात्कालिक युद्धविराम कराने में मदद की। यह एक स्थायी समझौता है, और हमने एक बड़ा परमाणु टकराव टाल दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने भारत और पाकिस्तान से कहा कि अगर वे युद्ध बंद करते हैं, तो अमेरिका उनके साथ बड़ा व्यापार करेगा। और अगर नहीं माने, तो कोई व्यापार नहीं होगा।

कर्नल सोफिया का सपना था कलाम साहब के साथ काम करना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर में ब्रीफिंग करने वाली कर्नल सोफिया कुरैशी की देशभर में चर्चा हो रही है पर कम ही लोग जानते हैं कि उनकी जुड़वां बहन डॉ. शाइना की कहानी भी उतनी ही प्रेरणादायक है। शाइना ने भी आर्मी जॉइन करने का सपना देखा था लेकिन वह पूरा नहीं हो सका। आज वह सिंगल मदर होकर समाज सेवा और पर्यावरण संरक्षण में एक्टिव हैं। आपके तो खून में ही देशभक्ति है। दादा, परदादा और उनकी भी कहानियां। क्या आपको भी बचपन से लगता था कि आपकी किस्मत में सिर्फ वर्दी है? बिल्कुल, बचपन से ही हमारे कानों में वही गूंजता था– खूब लड़ी मर्दानी वो तो झांसी वाली रानी थी।श दादी–दादी की कहानियां सुन–सुनकर ऐसा लगता था कि बस कुछ बड़ा करना है, सिर्फ टाइमपास नहीं। हम उन बच्चों में से थे ही नहीं जो यूंही वक्त गुजार दें। पढ़ाई पुणे, देहरादून, फिर जहां मौका मिला, वहीं से की। लेकिन दिल में हमेशा वर्दी की तस्वीर थी। एनसीसी ज्वॉइन किया, शूटिंग में बेस्ट बनी, प्राइम मिनिस्टर से अवॉर्ड मिला, गुजरात गवर्नमेंट से गोल्ड मेडल..पर दिल में तो एक ही ख्वाहिश थी– आर्मी की वर्दी पहननी है। मैंने भी आर्मी ऑफिसर बनने के लिए दिया था, जो आर्मी में जाने के लिए सबसे मुश्किल सिलेक्शन प्रोसेस होता है। लेकिन मेरा सिलेक्शन नहीं हुआ। सच कहूं तो दिल टूटा था, बहुत रोई थी। सालों तक.. क्योंकि मैंने तो सबकुछ आर्मी के लिए छोड़ दिया था। बस वर्दी पहननी है, यही सपना देखा था। मेरी बहन का भी वही जज्बा था। काम करना चाहती थी। अब्दुल कलाम जी के साथ काम करने का सपना था उसका। जैसे ही आर्मी में लड़कियों के लिए एंट्री खुली, हम दोनों ने तय किया अब तो जाना ही है। पर मेरे लिए दरवाजा बंद हो गया। वो दर्द आज भी वहीं है। देखिए, हम तो कॉलेज तक हर पल साथ ही थे। मतलब जहां वो जाती थी, मैं भी उसके पीछे–पीछे। मैं उससे छोटी हूं ना तो उसकी परछाई जैसी रहती थी। लेकिन जिस दिन उसने आर्मी जॉइन किया न वो पल ऐसा था जैसे दिल का एक हिस्सा छूट गया हो। तब से हमारी राहें अलग हो गईं पर दिल का कनेक्शन तो वहीं का वहीं रहा। हां, एक किस्सा कभी नहीं भूल सकती। लाइब्रेरी में हम दोनों 10–12 घंटे बैठकर पढ़ाई करते थे। मेरी बहन की आदत थी कि आते ही मेरे कंधे पर हाथ रखती थी। एक बार वो नहीं थी और किसी और ने ऐसे ही मेरे कंधे पर हाथ रख दिया, तो मुझे एक पल को लगा कि मेरी बहन ही आई है। जब मुड़ कर देखा तो वो नहीं थी। वो एहसास आज भी आंखें नम कर देता है। वो पल मेरे लिए सपना जैसा था। अचानक किसी ने कॉल किया, बोला श्टीवी ऑन करो, तुम्हारी सिस्टर आ रही है। पहले तो यकीन ही नहीं हुआ। जब स्क्रीन पर देखा कि मेरी बहन ऑपरेशन सिंदूर की ब्रीफिंग कर रही है, तो मेरी धड़कनें तेज हो गईं। मेरी बहन मुझसे सिर्फ 15 मिनट बड़ी है। लेकिन उन 15 मिनट में भी वो हमेशा मुझे प्रोटेक्ट करने वाली बड़ी बहन ही रही है। दिलचस्प बात यह है कि हम 5 भाई–बहन हैं। एक बड़ी बहन है। फिर हम दोनों ट्विन सिस्टर्स हैं और दो ट्विन भाई भी है।

संपादकीय

पाक को दो टूक

ऑपरेशन सिंदूर, पाकिस्तान के जवाबी हमले तथा युद्ध विराम के बाद देशवासियों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कड़े शब्दों में पाक को चेताया है। उन्होंने सेना के सभी अंगों और सुरक्षा बलों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि फिलहाल युद्ध स्थगित हुआ, खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने साफ किया कि वो दौर चला गया जब भारत परमाणु हमले के नाम पर ब्लैकमेल होता था। अब अगर फिर से हमला हुआ तो पाकिस्तान व आतंकवादियों को अलग–अलग नहीं देखा जाएगा। आतंक की जड़ों पर फिर से प्रहार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दुनिया ने देखा कि भारत की सर्जिकल स्ट्राइक में मरे दुर्दांत आतंकवादियों को अंतिम विदाई देने को पाक सेना के बड़े अधिकारी उतावले थे। यह भी कि दो–तीन दशकों में पाकिस्तान ने आतंकवाद की फसल को सींचने के लिये जो संरचना अपने देश में तैयार की है, उससे निकले आतंकवादियों ने ब्रिटेन तथा अमेरिका के 9ध्11 जैसे हमलों को दुनिया के दूसरे हिस्सों में अंजाम दिया है। प्रधानमंत्री ने साफ किया कि टॉक और टेरर व ट्रेड और टेरर साथ–साथ नहीं चल सकते। उन्होंने आतंक की पोषक पाक सरकार को खुले शब्दों में चेताया कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। उनका इशारा सिंधु समझौते को स्थगित करने की तरफ था। प्रधानमंत्री ने साफ किया कि अब न्यू नॉर्मल है कि भारत ने आतंक की लड़ाई के खिलाफ नई लकीर खींच दी है। आतंक का अपनी शर्तों पर मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा, न्यूक्लियर भयादोहन सहन नहीं होगा तथा आतंकवादियों तथा आतंक को पोसने वाली सरकार को अलग–अलग करके नहीं देखा जाएगा। उन्होंने साफ किया कि ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया को बता दिया है कि आतंकवाद को संरक्षण देने में पाक सरकार की सक्रिय भूमिका है। एक बार फिर पाक पोषित आतंकवाद दुनिया के सामने उजागर हुआ है। साथ ही कहा कि पहलगाम आतंकी हमले में धर्म पूछकर निर्दोष पर्यटकों की हत्या करने वाले आतंकवादी भारतीय समाज की समरसता को नुकसान पहुंचाने में पूरी तरह विफल रहे हैं। बुद्ध पूर्णिमा के दिन देश को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने साफ किया है कि भारत सदियों से बुद्ध की संस्कृति व विचारों का पक्षधर रहा है। लेकिन शांति का रास्ता शक्ति के रास्ते से ही होकर जाता है। बिना लाग–लपेट के प्रधानमंत्री ने साफ किया कि भारतीय शांति की नीति को कमजोरी न माना जाए, वक्त आने पर हम शक्ति दिखाने से भी नहीं चूकेंगे। उन्होंने सेना के पराक्रम और भारतीय वैज्ञानिकों की मेधा को सराहते हुए कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक ने बता दिया है कि भारत आधुनिक तकनीक से युद्ध के लक्ष्यों को हासिल करने में सक्षम है। भारत ने स्वदेशी प्रयासों व आत्मनिर्भरता के संकल्प के साथ देश को सुरक्षा कवच देने में कामयाबी हासिल की है। ये तकनीकें 21वीं सदी की सामरिक चुनौतियों का मुकाबला करने में सक्षम हैं। पाक द्वारा विश्व शक्तियों से हासिल मिसाइलों व ड्रोन को भारतीय वायु प्रतिरक्षा तंत्र ने जिस तरह नाकाम किया, उसने भारत के रक्षा उत्पादों की विश्वसनीयता पर मोहर लगाई है। हम न्यू इरा के वारफेयर मानकों की कसौटी पर खरे उतरे हैं।

एआई तकनीक से बदलते पढ़ने-पढ़ाने के तौर-तरीके

डॉ. मनु

इक्कीसवीं सदी की अब तक की सबसे बड़ी तकनीकी उपलब्धियों में से एक है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई। एक ऐसी तकनीक जो मशीनों को सोचने, समझने और निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करती है। एआई हमारे जीवन के हर पहलू को छू रही है। जो अब केवल रोबोटिक्स या औद्योगिक क्षेत्र तक सीमित नहीं, बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में भी इसका उपयोग हो रहा है। एआई ने न केवल पढ़ाने के तरीके को बदला है, बल्कि सीखने, मूल्यांकन और विद्यार्थियों की व्यक्तिगत जरूरतें समझने के नजरिए को भी क्रांतिकारी बना दिया। दरअसल हर विद्यार्थी की सीखने की क्षमता, गति और रुचि अलग–अलग होती है। पारंपरिक शिक्षा प्रणाली में सभी छात्रों को एक समान तरीके से पढ़ाया जाता था, जिससे कई छात्र पीछे रह जाते थे। जबकि एआई आधारित लर्निंग टूल्स जैसे एडैप्टिव लर्निंग सिस्टम्स अब छात्र की सीखने की गति, रुचि, और कमजोरियों को ध्यान में रख उन्हें अनुकूल सामग्री प्रदान करते हैं। मसलन, बायजूस, खान अकेडमी और कोर्सेरा जैसे प्लेटफॉर्म एआई की मदद से छात्रों को उनके स्तर के अनुसार टॉपिक्स सुझाते हैं और बेहतर समझाने के लिए पर्सनलाइज्ड कंटेंट प्रदान करते हैं। इससे छात्रों को अपनी गति से सीखने का मौका मिलता है, जिससे उनकी समझ और आत्मविश्वास बढ़ते हैं। एआई आधारित स्मार्ट ट्यूटर और चौटबॉट्स छात्रों को 24X7 सहायता प्रदान करते हैं। अब छात्रों को हर छोटी–छोटी शंका के लिए शिक्षक का इंतजार नहीं करना पड़ता। ये वर्चुअल असिस्टेंट तुरंत सवालों के जवाब देते हैं, चाहे वह गणित का जटिल फॉर्मूला हो या इतिहास की महत्वपूर्ण तारीख। वहीं डुओलिंगो जैसे प्लेटफॉर्म एआई का प्रयोग कर भाषा सीखने की प्रगति ट्रैक करते हैं व उसी मुताबिक नए पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं, जिससे सीखने की प्रक्रिया और अधिक प्रभावी बनती है। ध्यान रहे, एआई का मतलब यह नहीं कि शिक्षकों की जरूरत खत्म हो गई है। बल्कि, एआई ने शिक्षकों को और अधिक प्रभावी और डेटा–सक्षम बना दिया है। मसलन, अब शिक्षक यह समझ सकते हैं कि कौन–सा छात्र कहां पिछड़ रहा है और उसी के अनुसार व्यक्तिगत मार्गदर्शन दे सकते हैं। वहीं एआई तकनीक की मदद से शिक्षक अपने समय का अधिकतम उपयोग पढ़ाने के अलावा मार्गदर्शन, प्रेरणा और रचनात्मक गतिविधियों के लिए कर पा रहे हैं। एआई शिक्षकों का सहायक बन शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ा रही है। यह भी कि एआई आधारित ऑनलाइन परीक्षा प्रणाली अब उत्तरों का त्वरित और सटीक मूल्यांकन कर रही है। कई शिक्षण संस्थान एआई की मदद से क्विज का मूल्यांकन कर छात्रों को तुरंत परिणाम जारी कर सुधार के सुझाव देते हैं। इससे छात्रों को अपनी कमजोरियों का तुरंत पता चलता है जिनमें वे समय रहते सुधार कर सकते हैं। साथ ही, यह शिक्षकों का कीमती समय बचाती है, जिसे वे अन्य रचनात्मक और शैक्षिक गतिविधियों में लगा सकते हैं। एआई ने शिक्षा को दुनिया के प्रत्येक कोने तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। विशेष रूप से उन छात्रों के लिए जो स्कूल नहीं जा सकते, एआई आधारित वर्चुअल क्लासरूम और टूल्स ने उनके लिए नई राहें खोली हैं। स्पीच–टू–टेक्स्ट और टेक्स्ट–टू–स्पीच जैसी तकनीकों ने दृष्टिहीन और श्रवण बाधित छात्रों को भी शिक्षा प्राप्ति का अवसर दिया है। इससे शिक्षा समावेशी बन रही है। एआई केवल पढ़ाई में सहायक नहीं है, बल्कि खुद एक महत्वपूर्ण कैरियर स्किल बन चुका है। आज स्कूलों और कॉलेजों में एआई, मशीन लर्निंग, और डेटा साइंस जैसे विषय पढ़ाए जा रहे हैं ताकि विद्यार्थी भविष्य की तकनीकी नौकरियों के लिए तैयार हो सकें। 'एआई फॉर यूथ' प्रोग्राम इस दिशा में एक बड़ा कदम है, जो युवाओं की एआई के कौशल विकास में मदद करता है। एआई केवल एक तकनीकी उपकरण नहीं है, बल्कि यह शिक्षा में एक नई सोच का प्रतीक है। शिक्षा अब केवल परीक्षा पास करने का माध्यम नहीं रह गई है, बल्कि समझ, अनुभव और नवाचार का केंद्र बन गई है। छात्र अब जिज्ञासु हैं, सवाल पूछते हैं और खुद से सीखने की कोशिश करते हैं। एआई इस प्रक्रिया को निरंतर समर्थन प्रदान करता है, जिससे शिक्षा अधिक इंटरैक्टिव, रोचक और प्रभावी बनती है। दरअसल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने शिक्षा को स्मार्ट, व्यक्तिगत और इंटरेक्टिव बना दिया है। आज शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं है, बल्कि तकनीक के सहारे हर बच्चा, हर उम्र का व्यक्ति अपने समय व तरीके के हिसाब से सीख सकता है। हालांकि, एआई का उपयोग सोच–समझकर और जिम्मेदारी के साथ किया जाना चाहिए।

फसलों की विविधता को कम करेगी बढ़ती गर्मी

मुकुल

ग्लोबल वार्मिंग दुनिया में फसलों की विविधता को कम कर सकती है। एक नए अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि यदि वैश्विक तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो जाता है, तो विशाल क्षेत्र फसल विविधता खो सकते हैं, जिससे विश्वव्यापी खाद्य सुरक्षा के लिए जोखिम बढ़ सकता है। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि उच्च तापमान के कारण वैश्विक खाद्य उत्पादन का लगभग एक तिहाई हिस्सा खतरे में पड़ सकता है। फिनलैंड के आल्टो विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने नेचर फूड में प्रकाशित शोध में बताया कि तापमान,वर्षा पैटर्न और समग्र शुष्कता में परिवर्तन किस तरह दुनिया भर में 30 प्रमुख खाद्य फसलों के विकास को प्रभावित करेंगे। शोध के परिणाम बताते हैं कि निम्न अक्षांश क्षेत्र, खास कर उष्णकटिबंधीय देशों के बड़े हिस्से सबसे अधिक नुकसान उठाने वाले हैं। जैसे–जैसे तापमान बढ़ेगा, इन क्षेत्रों में कृषि के लिए बहुत अधिक भूमि अनुपयुक्त होती जाएगी। साथ ही उगाई जा सकने वाली फसलों की विविधता में भी भारी गिरावट आएगी। अध्ययन का नेतृत्व करने वाली शोधकर्ता सारा हेइकोनेन ने कहा कि विविधता के नुकसान का मतलब है कि कुछ क्षेत्रों में खेती के लिए उपलब्ध खाद्य फसलों के दायरे में काफी कमी आ सकती है। इससे खाद्य सुरक्षा कम होगी और पर्याप्त कैलोरी और प्रोटीन प्राप्त करना अधिक कठिन हो जाएगा। इन बदलती परिस्थितियों से दुनिया के मौजूदा खाद्य फसल उत्पादन का आधा हिस्सा प्रभावित हो सकता है। चावल, मक्का, गेहूं, आलू और सोयाबीन जैसी प्रमुख फसलों को उपयुक्त कृषि भूमि में भारी कमी का सामना करना पड़ सकता है। इससे उन लोगों के लिए चुनौतियां बढ़ सकती हैं जो दैनिक पोषण के लिए इन फसलों पर निर्भर हैं। कई अन्य फसलें भी असुरक्षित हैं जिनमें अनाज और दालों के अलावा उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में उगने वाली जड़ वाली फसलें शामिल हैं। जिमीकंद जैसी जड़ वाली फसलें कम आय वाले क्षेत्रों में खाद्य सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं। अफ्रीका के सहारा रेगिस्तान के दक्षिण में स्थित देश सबसे अधिक प्रभावित होंगे। यदि ग्लोबल वार्मिंग 3 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो जाती है तो इन देशों में वर्तमान उत्पादन का लगभग तीन–चौथाई हिस्सा खतरे में पड़ जाएगा। वैश्विक तापमान का असर सब जगह एक जैसा नहीं होगा। नया अध्ययन निम्न अक्षांश और मध्य से उच्च अक्षांश क्षेत्रों (भूमध्य रेखा और ध्रुवीय क्षेत्रों के बीच में गर्म और ठंडी जलवायु वाले क्षेत्र) के बीच एक स्पष्ट अंतर को दर्शाता है। भूमध्य रेखा के नजदीकी देशों को जहां फसल की भारी क्षति और विविधता में गिरावट का सामना करना पड़ सकता है, वही ठंडी जलवायु वाले देश अपने समग्र उत्पादन स्तर को बनाए रख सकते हैं। वैज्ञानिकों ने यह भी अनुमान लगाया है कि मध्य और उच्च अक्षांश वाले क्षेत्र गर्म होती दुनिया में फसलों की एक विस्तृत श्रृंखला की खेती करने में सक्षम हो सकते हैं। अध्ययन के वरिष्ठ लेखक मैटी कुम्मू का कहना है कि जलवायु में अनुकूल बदलाव अधिक पैदावार की गारंटी नहीं देता है। जलवायु परिवर्तन से कुछ स्थानों पर उत्पादन बढ़ सकता है लेकिन वार्मिंग नए कीट पैदा कर सकती है और चरम मौसम की घटनाएं ला सकती है। खाद्य असुरक्षा से जूझ रहे देश, खास कर अफ्रीकी देश पहले से ही कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं क्योंकि बढ़ते तापमान अन्य सामाजिक और आर्थिक दबावों के साथ मेल खाते हैं। कई कम अक्षांश वाले क्षेत्रों में, खास तौर पर अफ्रीका में, दुनिया के अन्य क्षेत्रों की तुलना में पैदावार कम है। ये देश उर्वरकों और सिंचाई तक अपनी पहुंच बढ़ाने के साथ–साथ उत्पादन और भंडारण श्रृंखला के माध्यम से खाद्य नुकसान को कम करके वे अधिक पैदावार प्राप्त कर सकते हैं। हालांकि वैश्विक गर्मी इन अनुमानों में बहुत अधिक अनिश्चितता जोड़ेगी और संभवतः और भी अधिक कार्रवाई की आवश्यकता होगी, जैसे कि अनुरूप फसल का चयन करना और प्रजनन के नए तरीके अपनाना। मॉडल के जरिए अध्ययन और विश्लेषण करना आसान लगता है लेकिन यह समझना सबसे कठिन है कि बदलाव कैसे किए जाएं। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि कम अक्षांश वाले देशों में नीति–निर्माताओं को कृषि के इंफ्रास्ट्रक्चर में अंतर को पाटने के तरीकों की तलाश करनी चाहिए। साथ ही अधिक प्रतिकूल बढ़ती परिस्थितियों के लिए भी तैयार रहना चाहिए। ऐसे प्रयासों के बिना स्थानीय समुदायों को, जो पहले से ही खाद्य कमी के खतरे में हैं, आने वाले वर्षों में और भी अधिक संघर्ष करना पड़ेगा। दुनिया की खाद्य फसलों को सुरक्षित करना मध्य और उच्च अक्षांश वाले क्षेत्रों के लिए किसानों और नीति निर्धारकों को लचीला बने रहना होगा। गर्मी नई फसलों के लिए द्वार खोल सकती है, लेकिन वैश्विक मांग और बाजार की ताकतों में बदलाव लोगों द्वारा खेती के लिए चुने जाने वाले तरीकों को और भी बदल सकते हैं। नई स्थितियों से निपटने के लिए किसानों द्वारा जो तरीके अपनाए जा सकते हैं, उनमें विभिन्न फसल किस्मों के साथ प्रयोग करना, रोपण के मौसमों को समायोजित करना तथा गर्म मौसम और कीटों से निपटने के लिए बुनियादी ढांचे में निवेश करना शामिल है। शोधकर्ताओं का कहना है कि अगर हम भविष्य में अपनी खाद्य प्रणाली को सुरक्षित करना चाहते हैं, तो हमें जलवायु परिवर्तन को कम करना पड़ेगा और इसके प्रभावों के अनुकूल होना पड़ेगा।

.... विविध ....

पेट की मामूली गैस भी बन सकती है कैंसर का संकेत

कैंसर एक गंभीर और जानलेवा बीमारी है जो दुनियाभर में लाखों लोगों को प्रभावित कर रही है। भारत में भी कैंसर के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। कैंसर के कई प्रकार होते हैं और उन्हीं में से एक है पेट का कैंसर, जिसे गैस्ट्रिक कैंसर कहा जाता है। गैस्ट्रिक कैंसर पेट की अंदरूनी परत में होने वाली सूजन से जुड़ा होता है और यह आमतौर पर आंतों से संबंधित होता है। इस बीमारी के कई कारण और लक्षण हो सकते हैं जिन्हें जानना और समझना जरूरी है।

गैस्ट्रिक कैंसर क्या होता है?

डॉक्टरों के अनुसार गैस्ट्रिक कैंसर एक ऐसा प्रकार का कैंसर है जो अब युवाओं में भी तेजी से फैल रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण है हमारी गलत जीवनशैली (अनहेल्दी लाइफस्टाइल)। कम उम्र में ही शराब और सिगरेट की लत लगना युवाओं के लिए गंभीर खतरा बन गया है।

गैस्ट्रिक कैंसर के प्रमुख कारण

धूम्रपान और तंबाकू का सेवन–जो लोग लंबे समय तक धूम्रपान या तंबाकू का सेवन करते हैं, उनके पेट की अंदरूनी परत को नुकसान पहुंचता है। इससे कैंसर होने का खतरा काफी बढ़ जाता है।

गलत खानपान की आदतेंरू बहुत ज्यादा नमक, प्रोसेस्ड (डिब्बाबंद) खाना, और पैक्ड फूड्स का अधिक सेवन गैस्ट्रिक कैंसर की संभावना को बढ़ा सकता है।

पारिवारिक इतिहास– अगर आपके परिवार में किसी सदस्य को पहले गैस्ट्रिक कैंसर हो चुका है, तो आपको भी इस बीमारी का खतरा अधिक हो सकता है। यह बीमारी आनुवांशिक भी हो सकती है।

बार–बार गैस और अपच होनारू डॉक्टरों के अनुसार अगर आपको बार–बार गैस बनती है, या अपच की समस्या रहती है, तो यह एक शुरुआती संकेत हो सकता है जिसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

मेडिकल उपकरणों का असर– कुछ मेडिकल मशीनों से निकलने वाली किरणें (जैसे कुछ स्क्रीनिंग उपकरण) भी शरीर पर बुरा असर डाल सकती हैं। एक हालिया रिसर्च में बताया गया कि इनसे भी कैंसर का खतरा हो सकता है।

गैस्ट्रिक कैंसर के लक्षण

पेट में लगातार दर्द रहना

पेट में सूजन या फुलाव महसूस होना

भूख न लगना या भूख कम लगना

थोड़ा खाने पर भी पेट भर जाना

शरीर में खून की कमी (एनीमिया)

मल में खून आना या मल का रंग काला होना

इन लक्षणों को हल्के में न लें और समय रहते डॉक्टर से जांच करवाएं।

गैस्ट्रिक कैंसर से बचाव के उपाय

सही और संतुलित आहार लें– फल, हरी सब्जियां और फाइबर से भरपूर भोजन का सेवन करें। ताजा और घर का बना खाना खाएं।

धूम्रपान और शराब से दूरी बनाए– ये दोनों आदतें कैंसर के सबसे बड़े कारणों में से हैं। इनसे दूर रहना बहुत जरूरी है।

वजन को नियंत्रित रखेंरू मोटापा भी कई बीमारियों की जड़ है, जिसमें कैंसर भी शामिल है। रोजाना थोड़ा–बहुत व्यायाम करें।

नियमित हेल्थ चेकअप कराएं– अगर आपके परिवार में किसी को कैंसर हो चुका है, तो आपको नियमित स्वास्थ्य जांच जरूर करानी चाहिए।

शरीर के नए लक्षणों को नजरअंदाज न करेंरू अगर शरीर में कोई नया लक्षण दिखे या कोई तकलीफ बार–बार हो रही हो, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। समय पर जांच और इलाज से गंभीर बीमारी को रोका जा सकता है।

गैस्ट्रिक कैंसर एक गंभीर लेकिन समय रहते पहचाना जाए तो इसका इलाज संभव है। जरूरी है कि हम अपने खानपान, आदतों और जीवनशैली में सुधार करें और अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें। जागरूकता ही बचाव का सबसे बड़ा उपाय है।

बढ़ता कोलेस्ट्रॉल शरीर के इन हिस्सों में चुपचाप देता है दर्द

अगर आपके शरीर में बार–बार कुछ हिस्सों में दर्द या असहजता महसूस हो रही है, तो इसे नजरअंदाज बिल्कुल न करें, क्योंकि ये संकेत हो सकते हैं कि आपका कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ चुका है। कोलेस्ट्रॉल बढ़ने पर अक्सर लोग इसके लक्षणों को मामूली समझकर टाल देते हैं, लेकिन यही लक्षण आगे चलकर दिल की बीमारी, स्ट्रोक और अन्य गंभीर समस्याओं की वजह बन सकते हैं। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि कोलेस्ट्रॉल बढ़ने पर शरीर के किन हिस्सों में दर्द होता है और किन संकेतों को गंभीरता से लेना जरूरी है।

टांगों में दर्द और ऐंठन – खराब ब्लड सर्कुलेशन का संकेत

अगर आप नियमित रूप से टहलते समय या थोड़ी दूर चलने पर टांगों में दर्द, भारीपन या ऐंठन महसूस करते हैं, तो यह च्मतपचीमतंस ।तजमतल क्पेमंम (च।क) का लक्षण हो सकता है। कोलेस्ट्रॉल के कारण धमनियों में ब्लॉकेज आ जाता है, जिससे रक्त प्रवाह में रुकावट होती है। यह दर्द आमतौर पर टांगों के पिछले हिस्से या पिंडलियों में महसूस होता है और आराम करने पर कुछ समय के लिए ठीक भी हो जाता है। इसे श्क्लॉडिकेशनश कहते हैं। अगर इसे नजरअंदाज किया जाए, तो यह धीरे–धीरे गंभीर हो सकता है।

छाती में दबाव या जलन – दिल की बीमारी की आहट

छाती में दबाव, कसाव या जलन महसूस होना, खासकर सीढ़ियां चढ़ने या थोड़ा अधिक चलने के बाद, दिल की धमनियों में ब्लॉकेज का संकेत हो सकता है।

स्क्स कोलेस्ट्रॉल हृदय की धमनियों की भीतरी सतह पर जमा हो जाता है और कोरोनरी आर्टरी डिजीज (ब।क) का कारण बनता है। इससे हृदय को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाती, जिससे व्यक्ति को एंजाइना पेन हो सकता है। यह लक्षण हार्ट अटैक की ओर भी इशारा कर सकता है।

ये भी पढ़ेंरू थायराइड की वजह से शरीर के इन हिस्सों में होता है दर्द, तुरंत करा लें ब्लड टेस्ट

गर्दन, जबड़ा और कंधे में दर्द – हल्के लक्षण, लेकिन गंभीर कारण

बहुत से लोग गर्दन में जकड़न, जबड़े में भारीपन या कंधे में दर्द को सामान्य मानकर छोड़ देते हैं। लेकिन ये भी कोलेस्ट्रॉल के कारण रक्त प्रवाह की कमी का संकेत हो सकते हैं। कई बार दिल की समस्याएं केवल छाती में दर्द तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि उनका असर गर्दन और कंधे के आसपास के हिस्सों में भी महसूस होता है। महिलाओं में हार्ट अटैक के दौरान ये लक्षण ज्यादा आम होते हैं, इसलिए इन्हें नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है।

हाथ–पैरों में सुन्नता और झुनझुनी – नसों तक ऑक्सीजन न पहुंचने का संकेत

कोलेस्ट्रॉल के बढ़ने से जब रक्त प्रवाह प्रभावित होता है, तो इसका असर शरीर के सिरों पर भी दिखता है। अगर आपको अक्सर हाथों या पैरों में झुनझुनी, सुन्नता या ठंडापन महसूस होता है, तो यह संकेत हो सकता है कि आपकी नसों तक पर्याप्त ऑक्सीजन और पोषण नहीं पहुंच रहा। यह स्थिति विशेषकर डायबिटीज और हाई कोलेस्ट्रॉल वाले मरीजों में आम होती है, जिन्हें नसों की चोट का खतरा रहता है।

पैरों का रंग बदलना – गंभीर ब्लॉकेज की चेतावनी

अगर आपके पैरों का रंग नीला या गहरा बैंगनी दिखाई देता है, तो यह संकेत हो सकता है कि रक्त संचार में रुकावट है।यह स्थिति तब आती है जब धमनियों में इतना कोलेस्ट्रॉल जम जाता है कि रक्त प्रवाह बेहद धीमा या रुक जाता है। इसका इलाज समय रहते न किया गया तो यह गैंगरीन या अंग की क्षति जैसी गंभीर समस्या का कारण बन सकता है।

सिर में भारीपन या चक्कर आना – ब्रेन तक रक्त की कमी

जब कोलेस्ट्रॉल के कारण मस्तिष्क की रक्तवाहिकाएं प्रभावित होती हैं, तब व्यक्ति को सिर भारी लगना, चक्कर आना या ध्यान केंद्रित न कर पाना जैसी समस्याएं हो सकती हैं। यह ज्तंदेपमदज प्ेबीमउपब ।जजंबा (ज्प्।) का संकेत हो सकता है, जिसे मिनी स्ट्रोक भी कहते हैं। यदि समय पर जांच न कराई जाए, तो यह पूर्ण स्ट्रोक में भी बदल सकता है।

आंखों के आसपास पीलापन या पीली रिंग –कोलेस्ट्रॉल के जमाव का संकेत

अगर आपकी आंखों के आसपास पीली परत या रिंग दिखाई देती है, तो यह हो सकता है। यह कोलेस्ट्रॉल के जमने से बनने वाली चर्बीयुक्त गांठ होती है, जो त्वचा के नीचे उभरती है। भले ही यह दर्द न करे, लेकिन यह शरीर में कोलेस्ट्रॉल असंतुलन का स्पष्ट संकेत है।

समय रहते पहचानें संकेत और बचाएं जीवन

कोलेस्ट्रॉल धीरे–धीरे शरीर को नुकसान पहुंचाता है, इसलिए इसे साइलेंट किलर भी कहा जाता है। अगर आप ऊपर बताए गए लक्षणों को नजरअंदाज करेंगे, तो यह आगे चलकर हार्ट अटैक, स्ट्रोक या ऑर्गन डैमेज जैसी गंभीर बीमारियों का रूप ले सकता है। इसलिए जरूरी है कि समय–समय पर लिपिड प्रोफाइल टेस्ट कराएं और संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, तनाव नियंत्रण और हेल्दी लाइफस्टाइल को अपनाएं।

कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल में रखने के लिए सुझाव

हेल्दी डाइट लें – फाइबर, फल, सब्जियां और ओमेगा–3 फैटी एसिड से भरपूर खाना खाएं।

फास्ट फूड, तली–भुनी चीजें और ट्रांस फैट से दूर रहें।

नियमित वॉक या एक्सरसाइज करें।

स्मोकिंग और शराब से परहेज करें।

स्ट्रेस को कंट्रोल में रखें।

समय–समय पर हेल्थ चेकअप कराते रहें।

स्वस्थ जीवन के लिए जागरूक रहना जरूरी है, क्योंकि लक्षणों को समझकर ही आप गंभीर बीमारियों से समय रहते खुद को बचा सकते हैं।

उन्नाव में चार हजार करोड़ का निवेश करेगा यूएई का शाही परिवार

लखनऊ, (संवाददाता)। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का शाही परिवार उन्नाव में मत्स्य पालन में बड़ा निवेश करेगा। यूएई के शाही परिवार के सदस्य और एक्वॉब्रिज होल्डिंग्स के चेयरमैन शेख अहमद

बिन मना बिन खलीफा अल मकतूम ने 461 मिलियन डॉलर (करीब 4000 करोड़ रुपये) के निवेश को मंजूरी दे दी है। दुबई में मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने शेख मकतूम को राज्य सरकार की ओर से पूरे सहयोग का आश्वासन देते हुए यूपी आने का न्योता भी दिया। उन्नाव इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में होने वाले इस निवेश से राज्य में मत्स्य पालन को नई दिशा मिलेगी और यूपी बड़ा गढ़ बनकर उभरेगा। शाही परिवार की होल्डिंग कंपनी इस रकम का निवेश फिश हैचरी, फिश प्रोसेसिंग प्लांट, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और फिश फीड प्लांट में करेगी। पूरा प्रोजेक्ट यूपी एग्रीज प्रोजेक्ट का हिस्सा होगा। इस बड़े प्रोजेक्ट को यूपी में लाने के लिए विश्व बैंक की भूमिका अहम रही। ऐसे ही एक प्रोजेक्ट में विश्व बैंक और शाही परिवार मॉरीशस में साथ काम कर रहे हैं। आठ मई को मुख्य सचिव ने दुबई यात्रा के दौरान अंतरराष्ट्रीय निवेश, रणनीतिक साझेदारी और एक्वॉकल्चर पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करने की दिशा में कई बैठकें कीं। प्रदेश सरकार के प्रयासों को वैश्विक मंच पर पेश करते हुए यूपी को एक भरोसेमंद निवेश गंतव्य के रूप में बताया। उन्होंने दुबई स्थित वॉटरफ्रंट मार्केट के आधुनिक माडल को देखा। ऐसा ही मॉडल यूपी में मत्स्य उत्पादन और विपणन के लिए विकसित किया जाएगा। यह मार्केट उत्पादकों और खरीदारों को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद और बेहतर मूल्य दिलाता है। प्रदेश में यह एक्वॉकल्चर ईकोसिस्टम लखनऊ में स्थापित करने पर विचार किया जा रहा है। यूपी की निवेश अनुकूल एफडीआई नीति पेश की गई। इस दौरान संयुक्त अरब अमीरात के मुख्य व्यापार मध्यस्थ एवं अर्थव्यवस्था मंत्रालय में अंतरराष्ट्रीय व्यापार मामलों के सहायक अवर सचिव जुमा मोहम्मद अल कैत से मुलाकात की। यूएई निवेश मंत्रालय के निदेशक मो. जैनल अलजारूनी और एफडीआई विशेषज्ञ डैनियल रेयमंड सेलर्स के सामने यूपी की निवेश अनुकूल एफडीआई नीति पेश की गई। एक लाख मत्स्य पालकों को आधुनिक बनाया जाएगा समझौते का लक्ष्य एक लाख मत्स्य पालकों को अत्याधुनिक तकनीक में प्रशिक्षित करना है। अभी यूपी और बिहार में मत्स्य पालकों के पास मछली के 40 फीसदी बच्चे अवैध रूप से बांग्लादेश से आते हैं। लेकिन, अब यूपी मछली पालन का सबसे बड़ा गढ़ बनकर उभरेगा। उन्नाव में निवेश को अंतिम रूप देने से पहले शाही परिवार की कंपनी के विशेषज्ञों ने उन्नाव के पानी का परीक्षण भी किया था।

एसआईटी जांच में होश उड़ाने वाला खुलासा जिले से लेकर पीसीएफ मुख्यालय तक के अफसर नपेंगे

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रादेशिक कोऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड में धान खरीद घोटाले के तार जिलों से लेकर प्रदेश मुख्यालय तक जुड़े हैं। एसआईटी जांच में इसके भी सुबूत मिले हैं। मामले की जांच आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) को सौंपे जाने के बाद अमित चौधरी से जुड़े अफसर भी कार्रवाई की जद में आ सकते हैं। इसी तरह तत्कालीन एसडीएम, एडीएम और लेखपाल पर भी गाज गिर सकती है, क्योंकि उस वक्त किसान सत्यापन का कार्य इन्हीं के जिम्मे था। वर्ष 2023–24 में धान खरीद घोटाले की जड़ें काफी गहरी हैं। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि बस्ती के जिला प्रबंधक रहते अमित चौधरी को पहले सिद्धार्थनगर का चार्ज दिया गया। फिर सिद्धार्थनगर में नियमित करके बस्ती का चार्ज थमा दिया गया। वह सिद्धार्थनगर ही नहीं बस्ती, संत कबीरनगर सहित अन्य जिलों में भी धान खरीद में चल रहे खेल को संचालित करता रहा। मामला सदन में उठने के बाद जांच शुरू हुई। सूत्रों के मुताबिक एसआईटी की जांच में जिला प्रबंधक के साथ ही अकाउंटेंट परमानंद उपाध्याय, छह क्रय केंद्र प्रभारी, धान ढुलाई में लगे ठेकेदार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। जांच के दौरान पता चला कि 37 क्रय केंद्र पर धान खरीद में घालमेल किया गया। जांच में लगी पुलिस ने करीब 4200 किसानों के खातों की पड़ताल की है। इसमें पता चला कि कई किसानों ने 63 बार धान बेचा है। इनके खाते एक ही हैं, लेकिन ओटीपी के लिहाज से मोबाइल नंबर बदल–बदल कर प्रयोग किया गया है।

एसडीएम के पास थी सत्यापन की जिम्मेदारी

धान बिक्री के संबंध में किसान के ऑनलाइन आवेदन पर लेखपाल रिपोर्ट लगाता है। पांच हेक्टेयर से कम भूमि वालों का सत्यापन एसडीएम और इससे अधिक भूमि वाले किसानों का सत्यापन एडीएम करते हैं। ऐसे में ईओडब्ल्यू की जांच के दायरे में लेखपाल, एसडीएम और एडीएम भी आएंगे।

खरीद हुई नहीं, ढुलाई में लाखों खर्च

धान खरीद में पीसीएफ के अधिकारियों के साथ ही क्रय केंद्र प्रभारियों और ढुलाई में लगे ठेकेदारों की भी मिलीभगत रही। बिना धान खरीदे ही ढुलाई के नाम पर लाखों रुपये खर्च किए गए हैं। जांच के दौरान यह बात सामने आई है कि ढुलाई में 10 ठेकेदार काम कर रहे थे। इसमें से दो के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई और वे जेल में हैं।

इसी तरह 37 क्रय केंद्रों में से छह केंद्र प्रभारियों को भी जेल भेजा जा चुका है। अब अन्य क्रय केंद्रों से जुड़े डाटा की भी पड़ताल की जा रही है। इन केंद्रों के दस्तावेज और यहां धान बेचने वाले किसानों का सत्यापन किया जा रहा है। पुलिस अकाउंटेंट की तलाश में लगी है। उसके लखनऊ स्थित आवास पर भी छापे मारे गए, लेकिन वह हाथ नहीं लगा।

दोषियों के खिलाफ शीघ्र ही कार्रवाई की जाएगी

मामले में सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर ने बताया कि पीसीएफ के जिला प्रबंधक सहित अन्य लोगों को निलंबित कर जांच शुरू कराई गई। जिला प्रबंधक को बर्खास्त कर दिया गया है। अन्य दोषी विभागीय अधिकारियों के खिलाफ भी शीघ्र ही कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

व्यापारियों के लिए हमारा फोन 24 घंटे खुला : ब्रजेश पाठक

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश कुमार पाठक ने कहा कि हमारी सरकार व्यापारियों को प्रोत्साहित करने के लिए मुद्रा लोन जैसी तमाम योजनाएं चला रही है। व्यापारियों के लिए हमारा फोन 24 घंटे खुला रहता है। कोई समस्या हो तो फोन पर ही बता दें, उसका समाधान हो जाएगा। ये बातें उपमुख्यमंत्री ने लखनऊ व्यापार मंडल इकाई के लखनऊ मशकगंज रकाबगंज व्यापार मंडल के रकाबगंज में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में कहीं। उन्होंने कहा कि

व्यापार मंडल के चेयरमैन राजेंद्र कुमार अग्रवाल, अध्यक्ष अमरनाथ मिश्रा मुद्रा लोन जैसी योजना का प्रचार–प्रसार कर व्यापारियों को लोन लेने में सहयोग करें। अमरनाथ मिश्र ने कहा कि यह संगठन व्यापारियों की रक्षा एवं आत्म सम्मान के लिए सदैव संघर्षरत रहेगा। नवनिर्वाचित अध्यक्ष संजय रस्तोगी एवं वरिष्ठ महामंत्री रोशन कश्यप ने मुख्य अतिथि को माल्यार्पण कर अंग वस्त्र एवं प्रतीक चिह्न देकर स्वागत किया। उपमुख्यमंत्री ने अध्यक्ष संजय रस्तोगी, वरिष्ठ महामंत्री रोशन कश्यप, कोषाध्यक्ष गुड्डू पाल के साथ वरिष्ठ उपाध्यक्ष हर्षित गुप्ता, उपाध्यक्ष राजेन्द्र गुप्ता, महामंत्री रिजवान खान, बबलू गुप्ता, सिद्धार्थ गुप्ता, अभिषेक रस्तोगी, वरिष्ठ मंत्री श्यामू निगम, मीडिया प्रभारी गनेश राठौर, संयुक्त मंत्री मनू हुसैन, प्रचार मंत्री समीर गुप्ता, संगठन मंत्री अभिषेक रस्तोगी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी।

लखनऊ में डिवाइडर पर सो रहे मजदूर पर पलटा अनियंत्रित डंपर, मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। ठाकुरगंज के रिंग रोड स्थित भूहर रेलवे ओवर ब्रिज पर सोमवार तड़के करीब साढ़े चार बजे मिट्टी से लदा तेज रफ्तार डंपर बेकाबू हो कर डिवाइडर पर पलट गया। इससे डिवाइडर पर सो रहे आलमनगर सीमेंट यार्ड में सीमेंट ढुलाई करने वाले 30 वर्षीय मजदूर की मौत हो गई। डंपर दुबग्गा से बुद्धेश्वर चौराहे की ओर जा रहा था। शव की पहचान नहीं हो सकी है। हरदोई निवासी मजदूर रामजीत के मुताबिक, रविवार रात में वह और उनके साथ के कई मजदूर थोड़ी–थोड़ी दूर पर डिवाइडर पर सो रहे थे। सुबह तेज रफ्तार डंपर अनियंत्रित होकर पलट गया। डंपर की मिट्टी सड़क पर फैल गई। डंपर के नीचे एक मजदूर दब गया। चीख पुकार सुनकर सब लोग उसे बचाने दौड़े। पुलिस को जानकारी दी गई। पुलिस ने किसी तरह मजदूर को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। हादसे के बाद चालक डंपर को मौके पर छोड़कर भाग गया। दरोगा मनुज कुमार ने बताया कि मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। डंपर कब्जे में लेकर वाहन नंबर के आधार पर चालक की तलाश की जा रही है।

केजीएमयू में रोबोट की मदद से होंगे किडनी और लिवर प्रत्यारोपण

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ स्थित किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में अब रोबोट से किडनी और लिवर प्रत्यारोपण किए जाएंगे। संस्थान ने दो रोबोट खरीदे हैं। इनके माध्यम से सर्जरी शुरू हो रही है। प्रत्यारोपण में ज्यादा सटीक सर्जरी की जरूरत होती है। इसे देखते हुए अब प्रत्यारोपण में भी रोबोट का इस्तेमाल किया जाएगा। अभी तक सिर्फ पीजीआई में ही रोबोट से प्रत्यारोपण की सुविधा मिल रही थी। केजीएमयू के प्रवक्ता प्रो. केके सिंह ने बताया कि संस्थान में लिवर और किडनी के प्रत्यारोपण होते हैं। रोबोट से अंग प्रत्यारोपण की सर्जरी भी होगी। इसके लिए दोनों विभागों के डॉक्टरों ने प्रशिक्षण भी ले लिया है। गॉल ब्लैडर की सर्जरी वाले मरीज की हालत में सुधार केजीएमयू में रोबोटिक विधि से गॉल ब्लैडर की सर्जरी कराने वाले मरीज की हालत में काफी सुधार है। जनरल सर्जरी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभिनव अरुण सोनकर और डॉ. अक्षय आनंद व उनकी टीम ने मिलकर पहली रोबोटिक सर्जरी की थी। डॉ. अभिनव अरुण ने बताया कि पहले दिन दो मरीजों की सर्जरी की गई थी। इनमें से एक हर्निया और दूसरा गॉल ब्लैडर का था। गॉल ब्लैडर वाले मरीज को शनिवार को छुट्टी दे दी गई।

10 विदेशी भाषाओं में होगा यूपी की खूबसूरती का बखान

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में पर्यटन विभाग प्रदेश के पर्यटक आकर्षणों को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करने के लिए एनामॉर्फिक फिल्मों का निर्माण कराएगा। इस परियोजना में प्रदेश के 12 प्रमुख पर्यटक सर्किट को दो मिनट की शॉर्ट फिल्मों के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा। हर फिल्म में छह सर्किट को शामिल किया जाएगा। इसमें सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक महत्व को रचनात्मक और दृश्य के माध्यम से उभारा जाएगा। इन फिल्मों को 10 विदेशी भाषाओं (फ्रेंच, स्पेनिश, जर्मन, इतालवी, रूसी, पुर्तगाली, अरबी, थाई, जापानी और कोरियाई) में डब किया जाएगा। ताकि वैश्विक दर्शकों तक इसकी पहुंच सुनिश्चित हो सके। फिल्में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार कराई जाएंगी। संबंधित एजेंसी को यह काम 120 दिनों में पूरा करना होगा। प्रमुख सर्किटों की बात करें तो इसमें रामायण सर्किट, कृष्ण–ब्रज सर्किट, महाभारत सर्किट, बौद्ध सर्किट, शक्तिपीठ सर्किट, आध्यात्मिक सर्किट, सूफी–कबीर सर्किट, जैन सर्किट, बुंदेलखंड सर्किट, वन्यजीव और ईको–टूरिज्म सर्किट, क्राफ्ट सर्किट और स्वतंत्रता संग्राम सर्किट शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

चोरी के बाइक से साथ आरोपी गिरफ्तार

अयोध्या। सोमवार को कोतवाली अयोध्या पुलिस ने चोरी की बाइक के साथ आरोपी को गिरफ्तार किया प्रभारी निरीक्षक कोतवाली अयोध्या मनोज शर्मा ने बताया कि उन्होंने उप निरीक्षक प्रवीण सिंह की मदद से पुलिस के चंगुल से काफी दिनों से फरार चल रहा वांछित आरोपी प्रिंस पुत्र दीनानाथ निवासी ग्राम खेमीपुर निधियावां थाना तारुन को सूर्यकुंड क्रासिंग फ्लाईओवर के नीचे से गिरफ्तार किया।बताया कि आरोपी के कब्जे से एक प्लेटीना मोटर साइकिल पुलिस ने बरामद किया।

अनुष्का ने 99 तो आंचल ने हासिल किए 98.8 फीसदी अंक, लखनऊ की बेटियों ने रचा कीर्तिमान

लखनऊ, (संवाददाता)। सीबीएसई बोर्ड के कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम आया तो राजधानी लखनऊ में छात्र–छात्राएं अपना–अपना परिणाम देखने लगे। परीक्षा परिणाम देखकर छात्र–छात्राओं के चेहरे खिल गए। जिले की बेटियों ने अपने परिणाम से कीर्तिमान गढ़ा। अनुष्का ने 99 और आंचल ने 98.8 फीसदी अंक हासिल किए। इससे माता–पिता और शिक्षकों में खुशी की लहर दौड़ गई। उन्होंने मिठाई खिलाकर बेटियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

अंसल कंपनी पर दो और मुकदमे दर्ज, 18.44 लाख की धोखाधड़ी का आरोप

लखनऊ, (संवाददाता)। सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने अंसल कंपनी के मालिकों व अन्य कर्मियों के खिलाफ रविवार को धोखाधड़ी की दो और एफआईआर दर्ज की हैं। आरोपियों पर गोमतीनगर के विकल्प खंड दो निवासी जितेंद्र कुमार से आठ लाख और सुशांत गोल्फ सिटी में सेलिब्रिटी मीडोज अपार्टमेंट निवासी हाईकोर्ट के अधिवक्ता से 10.44 लाख रुपये की धोखाधड़ी का आरोप है। विकल्प खंड दो निवासी जितेंद्र के मुताबिक, उन्होंने 27 नवंबर 2011 में हजरतगंज स्थित मिडलिंक रियल एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड फर्म के जरिये अंसल कंपनी में सुशांत गोल्फ सिटी में एक प्लॉट बुक कराया था। सौदा आठ लाख में हुआ था, जिसका भुगतान भी कर दिया था। 17 जुलाई 2019 को पता चला कि जो प्लॉट उन्होंने बुक कराया था वह वास्तव में था ही नहीं। उन्होंने अंसल कंपनी में संपर्क किया तो अधिकारियों ने उन्हें दूसरा प्लॉट बुक कर दिया, लेकिन उस पर भी उन्हें कब्जा नहीं दिया। गत 25 फरवरी को पता चला कि अंसल कंपनी को दिवालिया घोषित कर दिया गया है। उधर, हाईकोर्ट के अधिवक्ता विशाल टहलानी ने बताया कि उन्होंने 20 मार्च 2011 में अंसल कंपनी में 20.80 लाख का प्लॉट बुक कराया था। कंपनी के अधिकारियों ने उन्हें तीन वर्ष में प्लॉट पर कब्जा देने का आश्वासन दिया था। बुकिंग के छह माह बाद विशाल ने एडवांस में 10.44 लाख रुपये कंपनी को दे दिए,

राजधानी में 14 मई से थम जाएगा हज के लिए रवानगी का सिलसिला

लखनऊ, (संवाददाता)। चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट से 14 मई को अंतिम उड़ान के साथ हज यात्रियों की रवानगी सिलसिला भी थम जाएगा। हज यात्रा के चौदहवें दिन सोमवार को राजधानी से सोहलवीं उड़ान के जरिए 275 आजमीन मदीना मुनव्वरा भेजे गए। राजधानी से अब तक विभिन्न जिलों के 4572 हज यात्री रवाना हो चुके हैं। दिल्ली एयरपोर्ट से हज की अंतिम उड़ान 30 मई को होगी। प्रदेश से इस बार 13748 यात्रियों को हज भेजा जाना था। इनमें से 8248 यात्री दिल्ली और 5500 आजमीन को लखनऊ एयरपोर्ट से रवाना किया जा रहा है।

कानपुर के तत्कालीन एसीपी मोहसिन खान के निलंबन पर रोक

लखनऊ, (संवाददाता)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने कानपुर में तैनात तत्कालीन एसीपी मो. मोहसिन खान के निलंबन आदेश पर रोक लगा दी है। याची की ओर से दलील दी गई कि शादीशुदा होते हुए, दूसरी महिला के साथ शारीरिक सम्बंध सेवा नियमावली के तहत कदाचार की श्रेणी में नहीं आता। कोर्ट ने भी पहली नजर में इस दलील से सहमति जताकर राज्य सरकार को चार सप्ताह में जवाब देने का आदेश दिया है। याची को निलंबन पर अंतरिम रोक लगा दी है। मामले की अगली सुनवाई 28 जुलाई को होगी। न्यायमूर्ति करुणेश सिंह पवार की एकल पीठ ने यह आदेश मो. मोहसिन खान की सेवा संबंधी याचिका पर दिया। याची के विरुद्ध कानपुर नगर के कल्याणपुर थाने में एक महिला ने एफआईआर दर्ज कराते हुए शादी का झांसा देकर शारीरिक सम्बंध बनाने का आरोप लगाया है। याची की ओर से दलील दी गई कि उक्त एफआईआर के सम्बंध में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आरोप पत्र दाखिल करने पर रोक लगा दी है। याची के अधिवक्ता का कहना था कि एडीजीपी ने 6 मार्च 2025 को निलंबन के लिए जो संस्तुति दी है, वह उन्होंने स्वतंत्र मस्तिष्क का प्रयोग किए बिना दिया है। यूपी सरकारी सेवक आचरण नियमावली के नियम 29 का हवाला दिया यह भी तर्क दिया कि उन्हें दूसरी महिला से यौन संबंध रखने के आरोप में निलंबित किया गया है। जबकि, इस प्रकार का आरोप कदाचार की श्रेणी में नहीं आता है। यह भी कहा कि यूपी सरकारी सेवक आचरण नियमावली के नियम 29 के तहत पत्नी के रहते दूसरी पत्नी से विवाह करना तो कदाचार की श्रेणी में आता है। लेकिन, पत्नी के रहते दूसरी महिला से यौन सम्बंध रखना कदाचार नहीं कहा जा सकता है।

बड़े मंगल की वजह से सरकारी अस्पतालों में हॉफ डे रहेगी ओपीडी, बदला रहेगा पूरे शहर का यातायात

लखनऊ, (संवाददाता)। बड़े मंगल के अवसर पर सरकारी अस्पतालों में ओपीडी का संचालन हॉफ डे रहेगा। सुबह 11 बजे तक पर्चे बनने व जांच का काम होगा। डॉक्टर ओपीडी में 12 बजे तक बैठकर मरीजों को देखेंगे। इमरजेंसी सेवाएं 24 घंटे चलेंगी। जिन मरीजों को ओपीडी में इलाज नहीं

मिल पाएगा। वह इमरजेंसी में प्राथमिक इलाज ले सकते हैं। बलरामपुर, सिविल, लोकबंधु समेत अन्य अस्पतालों में यही स्थिति रहेगी। शहर में बड़ा मंगल पर प्रमुख मंदिरों व अन्य जगहों पर भंडारे का आयोजन किया जाएगा। नया एवं पुराना हनुमान मंदिर अलीगंज व हनुमान सेतु मंदिर पर मुख्य रूप से मेले का आयोजन होगा। इसलिए सोमवार रात 12 बजे से मंगलवार रात मेला खत्म होने तक डायवर्जन लागू रहेगा। यातायात पुलिस ने सोमवार को विस्तृत डायवर्जन प्लान जारी किया है। प्रत्येक बड़ा मंगल पर यही डायवर्जन प्लान लागू रहेगा। 1. सीतापुर रोड की ओर से आने वाले भारी वाहन जैसे रोडवेज व सिटी बसें आदि पुरनिया एवं डालीगंज रेलवे क्रॉसिंग से कपूरथला व आईटी चौराहा की ओर नहीं जाएंगी। ये वाहन मड़ियांव ओवरब्रिज से पुरनिया व डालीगंज रेलवे क्रॉसिंग से ओवरब्रिज के नीचे से पक्का पुल, शाहमीना या इंजीनियरिंग कॉलेज चौराहा से टेढ़ी पुलिया, विकास नगर मोड़, रहीमनगर, वायरलेस चौराहा महानगर, बादशाहनगर, संकल्प वाटिका, सिकंदरबाग होकर जाएंगे। 2. कैसरबाग व हजरतगंज की ओर से आने वाले भारी वाहन सुभाष चौराहे से आईटी, कपूरथला की ओर नहीं जाएंगे। ये वाहन सुभाष चौराहे से क्लार्क अवध, शहीद स्मारक, डालीगंज पुल, शाहमीना, पक्कापुल से दाएं डालीगंज व पुरनिया रेलवे क्रॉसिंग ओवरब्रिज के नीचे से मड़ियांव, चिरैयाझील, संकल्प वाटिका, निशातगंज, महानगर होते जाएंगे। 3. कुर्सी रोड की ओर से आने वाला सामान्य यातायात विष्णुपुरी कालोनी व हीवेट पालीटेक्निक (रहीमनगर) चौराहा से नीरा नर्सिंग होम की ओर नहीं जाएगा। ये यातायात हीवेट पॉलिटेक्निक (रहीमनगर) चौराहा, वायरलेस चौराहा, गोल मार्केट, बादशाहनगर, निशातगंज, सिकंदरबाग होकर जाएगा। 4. आईटी चौराहा से रोडवेज व सिटी बसें विवेकानंद पॉलीक्लीनिक निराला नगर से विवेकानंद ओवरब्रिज से कपूरथला होते हुए अलीगंज की ओर की ओर नहीं जाएंगी। ये बसें अयोध्या रोड, सेंट्रल बैंक तिराहा, वायरलेस चौराहा, हीवेट पालीटेक्निक से विष्णुपुरी होते हुए जाएंगी। 5. सहारा टावर (नगर निगम जोन–3 कार्यालय) तिराहे से अलीगंज की ओर से जाने वाला सामान्य यातायात कपूरथला चौराहे की ओर नहीं जाएगा।

शहर का दायरा बढ़ाते समय ही तय होगा भू-उपयोग, अवैध कालोनी बसाने के धंधे पर लगेगा अंकुश

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में शहरी क्षेत्र में कृषि और हरित क्षेत्र की भूमि पर होने वाले निर्माण पर अंकुश लगाने की तैयारी है। इसके तहत शहर की सीमा का विस्तार करते ही उसका भू–उपयोग निर्धारित कर दिया जाएगा। इससे मास्टर प्लान में भी स्थिति साफ रहेगी। अवैध कॉलोनियों की बसावट पर रोक लगाने में मदद मिलेगी। नगर योजना और विकास अधिनियम में इसका प्रावधान किया जा रहा है। जल्द ही इसे लागू किया जाएगा। शहरों का सीमा विस्तार करते समय भू–उपयोग का निर्धारण नहीं होता है। इसका प्रावधान मास्टर प्लान बनाते समय किया जाता है। इसका फायदा उठाते हुए कॉलोनाइजर शहरी सीमा में शामिल किए गए क्षेत्रों में कृषि व ग्रीन बेल्ट की भूमि पर धड़ाधड़ अवैध निर्माण कर देते हैं। इनको बाद में नियमित करना प्राधिकरणों के लिए बड़ी चुनौती बन जाता है। इसका खामियाजा जनता को भी उठाना पड़ता है। आए दिन भू–उपयोग की आड़ में विकास प्राधिकरण के अधिकारी व कर्मचारी निर्माणकर्ता को नोटिस जारी करते हैं। साथ ही उनका आर्थिक शोषण भी होता है। अवैध कालोनी बड़ी समस्या शहरों में कृषि और ग्रीन बेल्ट की भूमि पर प्लॉटिंग कर अवैध कॉलोनी बसाने की सबसे बड़ी

समस्या है। शहरों में सस्ती भूमि की चाहत में लोग औने–पौने दामों पर बिना जांचे–परखे प्रॉपर्टी डीलरों से प्लॉट खरीद कर उस पर मकान व दुकान बना लेते हैं। इसीलिए सरकार ऐसी व्यवस्था करना चाहती है कि लोगों को परेशानियों का सामना न करना पड़े। आवास विभाग उत्तर प्रदेश नगर योजना और विकास अधिनियम को मौजूदा जरूरतों के आधार पर बनाने जा रहा है। इसके लिए विशेषज्ञों की टीम बनाई गई है। टीम अन्य राज्यों के भी अधिनियम का अध्ययन करेगी और विस्तृत रिपोर्ट आवास विभाग को सौंपेगी। अधिनियम में कुछ जरूरी प्रावधान किए जा रहे हैं, इसमें विस्तारित होने वाले क्षेत्रों में भू–उपयोग पहले से तय किए जाएंगे। इसके लिए अधिनियम में नई धारा 8 (4) व (5) जोड़ी जा रही है। इसमें ही पूरी स्थिति साफ होगी। विकास प्राधिकरण या फिर आवास विकास परिषद द्वारा सीमा बढ़ते ही उसका भू–उपयोग निर्धारित कर दिया जाएगा।

रोशनी से नहाए हनुमान मंदिर, रात से लगीं भक्तों की कतारें

लखनऊ, (संवाददाता)। ज्येष्ठ माह के पहले बड़े मंगल को लेकर सोमवार रात शहर के सभी हनुमान मंदिर रंग–बिरंगी लाइटों से जगमगा उठे। हनुमान सेतु मंदिर में रात 12 बजे बजरंग बली का भव्य शृंगार किया गया। इस दौरान रात से ही यहां दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। इसके अलावा अलीगंज के पुराने हनुमान मंदिर, नए हनुमान मंदिर और हनुमत धाम समेत शहर के सभी हनुमान मंदिरों में मंगलवार सुबह से ही दर्शनों के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ेगी। बड़ा मंगल को लेकर बजरंग बली का सिंदूर से भव्य शृंगार, हनुमान चालीसा और सुंदरकांड का पाठ दिनभर सभी मंदिरों में चलेगा। हनुमान सेतु मंदिर के सचिव दिवाकर त्रिपाठी ने बताया कि भक्तों में प्रसाद बांटने के लिए 60 हजार लड्डू तैयार कराए गए हैं। भक्त अच्छे से दर्शन कर सकें इसके लिए उचित व्यवस्था की गई है। साथ ही ठंडे पानी और शरबत का भी इंतजाम किया गया है। रात 12 बजे मंदिर के कपाट खुलने के साथ ही बजरंग बली की आरती उतारी गई। इसके बाद सुबह छह बजे आरती होगी। फिर बजरंग बली को भोग लगाया जाएगा। अलीगंज स्थित पुराने हनुमान मंदिर में सोमवार से ही लड्डू बनाने का काम तेजी से चल रहा था। शाम तक प्रसाद व फूल मालाओं की दुकानें सज चुकी थीं। अलीगंज स्थित श्री महावीर नए हनुमान मंदिर में हर साल की तरह इस बार भी बड़े मंगल पर लाखों भक्तों के उमड़ने की उम्मीद है। इसे लेकर मंदिर प्रशासन की ओर से पुख्ता तैयारियां की गई हैं। मंदिर की आयोजन समिति से जुड़े कार्यकर्ता राकेश दीक्षित ने बताया कि गर्मी को ध्यान में रखते हुए कूलर की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही पतले पाइप से पानी की हल्की फुहार भी डाली जाएगी ताकि भीषण गर्मी में भक्तों को राहत मिल सके। इसके अलावा मंदिर प्रांगण के भीतर और बाहर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। मंदिर के बाहर प्रसाद और फूल की दुकान लगाने वाले रवि कुमार ने बताया कि मंदिर प्रांगण के भीतर व बाहर लगी दुकानों में ही तकरीबन 500 क्विंटल लड्डू तैयार किए जा रहे हैं। वहीं करीब 250 क्विंटल फूलों की मालाएं तैयार की जा रही हैं। प्राचीन लेटे हुए हनुमान मंदिर के मुख्य सेवादास डॉ. विवेक तांगड़ी ने बताया कि बड़े मंगल पर हनुमान जी को 11 किलो लड्डू का भोग लगाया जाएगा। सुबह 8ः30 से नौ बजे तक सिंदूर लेपन का कार्यक्रम संपन्न होगा। प्रातः 9.30 बजे आरती होगी। इसके बाद छप्पन भोग लगाया जाएगा।

सीबीएसई बोर्ड परीक्षा के परिणाम में अयोध्या एकेडमी के मेधावियों ने लहराया परचम

अयोध्या। सीबीएसई बोर्ड सत्र 2024–2025 का हाईस्कूल एवं इण्टरमीडियट का परिणाम जारी हुआ। अयोध्या एकेडमी स्कूल का परीक्षा परिणाम शत–प्रतिशत रहा। इण्टरमीडियट में कला वर्ग में 95: प्राप्तांक प्राप्त कर अंश कुमार वर्मा, विद्यालय में प्रथम स्थान पर रहे, रूचि वर्मा 92%, तृप्ती जायसवाल 91%, श्रेया आचार्या 89:, भूमिका गुप्ता 89% विज्ञान वर्ग में, उदय प्रताप सिंह 87.6 सुमित तिवारी 86. 8%, आयुष कौशल, ओम मनि त्रिपाठी 86%, हर्ष गुप्ता 85%, अनुराग यादव 84%, वाणिज्य वर्ग में आरोही सिंह 92% अंनन्या वर्मा, प्रगति अग्रवाल, संध्या तिवारी, अंशिका यादव, अर्चना यादव, अवधेश भट्ट, हिमांशी पाठक, स्मृति राय, कौशिक तिवारी, नंदिनी वर्मा, प्रज्ञा पटेल, रितिका मिश्रा, श्रेया आचार्या, सूर्यांश प्रताप सिंह, 87% प्राप्त किए साथ ही साथ हाईस्कूल की परीक्षा में निकिता शर्मा 93.4% परी सोनी 90.4% अतुल पाण्डेय 90%, श्री मिश्रा, प्राची तिवारी, इच्छा पाण्डेय, आयुष मौर्य, अंशिका चौधरी,, दीपांशी वर्मा, सौरभ गुप्ता, अंशिका गुप्ता, कर्तव्य श्रीवास्तव आदि ने अच्छे अंक प्राप्त कर विद्यालय का जिले में मान सम्मान बढ़ाया। इण्टरमीडियट एवं हाईस्कूल में, आदि छात्र–छात्राओं का परिणाम बहुत अच्छा रहा। विद्यालय के प्रबन्धक प्रदीप तिवारी ने सभी सफल छात्र–छात्राओं को मिष्ठान खिलाकर उनका उत्साहवर्द्धन किया एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना किया।इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती सौम्या अचारी, उप प्रधानाचार्य जितेन्द्र कुमार, गौरी द्विवेदी, जी०डी तिवारी एवं वरि० अध्यापक शिशिर मिश्र, मृत्युन्जय मिश्र, आलोक कुमार दूबे, भूपेन्द्र सिंह, यश वर्मा, संजय कुमार तिवारी, राघवेन्द्र प्रताप सिंह, शालिंदी सिंह, रेणुका चतुर्वेदी, खुशबू पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

सीएमओ ने सीएचसी बीकापुर का किया औचक निरीक्षण लापरवाही पर लगाई फटकार

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। मुख्य चिकित्साधिकारी सुशील कुमार बनियान ने सोमवार शाम को टीम के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीकापुर पहुंचकर औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती प्रसूता महिला मरीज की अनदेखी और सुबह से अभी तक जांच न कराने पर गहरी नाराजगी का इजहार किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ड्यूटी पर तैनात स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति पंजिका से मिलान किया। इस दौरान उन्होंने ड्यूटी पर तैनात स्टाफ नर्स द्वारा महिला मरीज के प्रति असंवेदनशीलता दिखाने पर कड़ी फटकार लगाई और चेतावनी दिया। उन्होंने केंद्र पर सफाई आपात सेवाओं काफी निरीक्षण किया। मरीजों की जांच टेस्टिंग व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश जारी किए। निरीक्षण के दौरान नवनिर्मित ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट भवन निर्माण की गुणवत्ता को परखते हुए जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने दावा किया कि प्रत्येक दशा में स्वास्थ्य केंद्र में ही मरीजों का सीजर संबंधी इलाज किया जाएगा। उन्होंने किसी भी प्रकार की शिकायत के लिए लोगों के सुझाव आमंत्रित किए हैं। निरीक्षण के दौरान डिप्टी सीएमओ डॉक्टर राजेश चौधरी, डॉक्टर अनुराग गुप्ता, ओटी टेक्नीशियन राहुल फार्मासिस्ट कनिक राम चौधरी तथा अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे। सिक्योरिटी गार्ड को वर्दी बिना देखकर फटकार लगाया। लैब की भी व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए कहा। सीएमओ ने बताया कि जांच के दौरान ठीक–ठाक मिला है।सीजर की समस्या है,बताये व्यवस्था दुरुस्त कराई जाएगी।जहां कमी मिली है सुधार करने के लिए चेतावनी दी गई है।

पूर्व सांसद ने इंटरलॉकिंग सड़क का किया लोकार्पण

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। बीकापुर में प्रयागराज हाईवे से ककरहिया पातूपुर गांव को जोड़ने के लिए शिव शक्ति पब्लिक स्कूल तक क्षेत्र पंचायत की निधि से निर्माण कराई गई इंटरलॉकिंग सड़क का सोमवार को पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने लोकार्पण किया।इस दौरान उन्होंने सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए बताया कि भाजपा सरकार द्वारा सड़कों का जाल बिछाकर क्षेत्र का सर्वांगीण विकास किया जा रहा है। जिससे आवागमन आसान हो गया है और लोगों को सहूलित मिल रही है। इस दौरान पूर्व सांसद ने विद्यालय के वार्षिक उत्सव कार्यक्रम में भी प्रतिभाग किया। छात्र छात्राओं द्वारा लगाई गई विज्ञान प्रदर्शनी और बनाए गए मॉडल का भी निरीक्षण किया। बच्चों से संवाद किया। छात्र छात्राओं द्वारा बनाए गए प्रोजेक्ट के बाबत उनसे जानकारी हासिल की। बच्चों की प्रतिभा से प्रभावित पूर्व सांसद ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख दिनेश वर्मा, नगर पंचायत अध्यक्ष राकेश पांडेय राना, प्रबंधक मायाराम वर्मा, प्रधानाध्यापिका सुदामा वर्मा, क्षेत्र पंचायत सदस्य राहुल दुबे, प्रधान रामपाल वर्मा, रामनाथ वर्मा सहित तमाम लोग शामिल रहे। इस दौरान भजन गायक अवध नरेश सिंह और उनकी टीम द्वारा संगीतमय भजन कीर्तन प्रस्तुत किया गया। बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना, स्वागत गीत सहित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। मेधावी छात्र–छात्राओं को पुरस्कार देकर उत्साहवर्धन भी किया गया। भोज भी आयोजन हुआ ।

निधन पर शोक सभा आयोजित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के जिला महामंत्री, एवम् कायस्थ महासभा युवा शाखा के पूर्व जिला अध्यक्ष ऋषिकेश श्रीवास्तव के निधन पर एवम् कायस्थ महासभा के वरिष्ठ नेता मनीष श्रीवास्तव बच्चा जी की पत्नी वरिष्ठ समासेवीका श्रीमती अर्चना श्रीवास्तव जी के निधन पर कायस्थ महासभा 7235 जौनपुर द्वारा एक शोक सभा आयोजित किया गया ।जिसमे दो मिनट का मौन रखकर मृतकों के आत्मा के शान्ति के लिए किया गया। राष्ट्रीय महासचिव राजेश श्रीवास्तव बच्चा भईया एडवोकेट ने कहा कि दोनों लोग के निधन से समाज की गहरी क्षति हुई है और इतनी कम उम्र में निधन पर लोग मर्माहत है। ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस के जिला अध्यक्ष डॉ उमाकांत श्रीवास्तव प्रिंसिपल, अखिल भारतीय चित्रांश महासभा के जिलाध्यक्ष दयाल सरन श्रीवास्तव ने कहा कि इस दुख के घड़ी में समाज परिवार के साथ है। शोक व्यक्त करने वाले में कायस्थ महासभा 7235 उत्तर प्रदेश के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष दिनेश चन्द श्रीवास्तव दीनू , कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उमेश श्रीवास्तव,राष्ट्रीय कायस्थ महापरिषद के जिला अध्यक्ष गिरिजेश श्रीवास्तव, कायस्थ महासभा जिला अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव एडवोकेट,राष्ट्रीय प्रवक्ता विश्व प्रकाश श्रीवास्तव पत्रकार,कायस्थ एकता मंच के अध्यक्ष दयाशंकर निगम, कायस्थ संघ अंतर्राष्ट्रीय जिला अध्यक्ष अजय वर्मा जिला महामंत्री संदीप श्रीवास्तव पत्रकार, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संतोष श्रीवास्तव,जिला उपाध्यक्ष अनिस श्रीवास्तव आदि लोगो ने शोक व्यक्त करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया।

ज्येष्ठ माह का बड़ा मंगलवार आज,सुरक्षा के रहेंगे खास इंतजाम

अयोध्या। ज्येष्ठ माह का पहला बड़ा मंगल आज होगा। जिसको लेकर अयोध्या धाम स्थित हनुमानगढी,नाका हनुमानगढी सहित सभी बजरंग बली के मंदिरों पर विशाल भंडारे व शरबत का भी आयोजन होगा।बताते चले शहर के नाका रिकाबगंज,फतेहगंज देवकाली,बेनीगंज, दिल्ली दरवाजा, वजीरगंज जप्ती,सहादतगंज, हैदरगंज सहित प्रमुख स्थानों पर स्थित मंदिरों में विशाल भंडारे का आयोजन होने की संभावना है। जहां पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ होगी।एक ओर जहां इन मंदिरों पर बड़े मंगलवार के पहले मंगलवार पर सामान्य से ज्यादा भीड़ का अनुमान है।उसको देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम भी किया जा रहे हैं।इस बात की जानकारी देते हुए एसपी सिटी मधुबन कुमार सिंह ने बताया कि मंदिरो में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम है।बताया कि संवेदनशील स्थानों खासकर घाट जोन,नागेश्वर नाथ मंदिर जोन,हनुमानगढ़ी जोन, कनक भवन जोन सहित अन्य जगहों पर यातायात जोन को विभाजित करके पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। जिसके चलते आवागमन में किसी भी श्रद्धालुओं को कोई असुविधा नहीं हो।इसके अलावा शहर के रिकाबगंज हनुमानगढ़ी, सहादतगंज हनुमानगढ़ी और नाका हनुमानगढ़ी, इन जगहो पर पुलिस कर्मियों की अतिरिक्त ड्यूटियां लगाई गई है।मंगलवार को विभिन्न संगठन भंडारे और शरबत का आयोजन करते हैं, सभी स्थानों पर ड्यूटी लगाकर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित कराई जा रही है।

अज्ञात महिला का शव नदी में मिला

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जफराबाद।क्षेत्र के वसीरपुर गांव के पास रेलवे ब्रिज के नीचे एक महिला की लाश मिली।महिला का शव बहते हुए पहुंचा था।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।उक्त गांव के किसी व्यक्ति ने गोमती नदी में एक महिला की लाश देखा।लाश रेलवे पुल के नीचे आकर रुकी हुई थी।उसने पुलिस को सूचना दिया।

फेडेक्स ने लखनऊ में छोटे एवं मझोले उद्यमों को बढ़ा सोचने और स्मार्ट शिपिंग करने के लिये सशक्त किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। दुनिया की सबसे बड़ी एक्सप्रेस ट्रांसपोर्टेशन कंपनी फेडरल एक्सप्रेस कॉर्पोरेशन उत्तर भारत के उभरते शहरों में छोटे और मझोले उद्यमों को नवाचार के साथ आगे बढ़ने और वैश्विक बाजारों तक पहुँचने में मदद कर रही है। इसके लिए कंपनी ने नामक पहल की है, जो उभरते बिजनेस हब्स में विशेष रूप से तैयार लॉजिस्टिक समाधान, डिजिटल टूल और रणनीतिक जानकारियाँ लेकर पहुँच रही है। फेडेक्स के वाइस प्रेसिडेंट (मार्केटिंग, कस्टमर एक्सपीरियंस और एयर नेटवर्क – क्षेत्र) नितिन नवनीत तातीवाला ने कहा, "जब एसएमई अपनी महत्वाकांक्षाएं तेजी से बढ़ा रहे हैं, तो हम भी स्मार्ट समाधानों, मजबूत ढांचे और गहरे जुड़ाव के साथ उसी रफ्तार में काम कर रहे हैं। के जरिए हम सिर्फ पार्सल नहीं पहुंचा रहे हैं, बल्कि उद्यमों की आकांक्षाओं को वैश्विक मंच पर उड़ान भरने का अवसर दे रहे हैं।"

वर्ष 2019 में शुरू हुई एसएमई कनेक्ध्ट पहल अब एक जानकारी साझा करने वाले मंच से आगे बढ़कर एक प्रभावशाली प्लेटफॉर्म बन गई है। वित्ध्तीय वर्ष 25 में, फेडेक्स ने इस कार्यक्रम को और ज्यादा व्यक्तिगत और व्यावसायिक चुनौतियों से जुड़ा बनाने के लिए 'संपर्क', 'अनुभव' और 'मंत्रा' जैसे नए प्रारूप शुरू किए हैं। ये प्रारूप व्यापार की जरूरतों के अनुरूप तैयार किए गए हैं और डिजिटल युग में उन्हें वैश्विक अवसरों से जोड़ते हैं। यह पहल भारत सरकार की 'इनवेस्ट इंडिया', 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' और 'डिस्ट्रिक्ट एक्सपोर्ट हब' जैसी पहलों के साथ भी सहकार्य कर रही है। इससे क्षेत्रीय निर्यात केंद्रों और विभिन्न क्षेत्रों के विकास को बढ़ावा मिल रहा है। हैं। यह लखनऊ जैसे शहरों में निर्यात के क्षेत्रीय केन्ध्द्रों और सेक्ध्टर विशेष की तरक्ध्की को बढ़ावा देती हैं। अब तक एसएमई कनेक्ध्ट के तहत भारत के 55 शहरों में 58 कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें 5,000 से अधिक एसएमई उद्यमियों और संभावित ग्राहकों से सीधा संवाद किया गया है। दुनिया की सबसे बड़ी एक्सप्रेस ट्रांसपोर्टेशन कंपनी फेडरल एक्सप्रेस कॉर्पोरेशन अब उत्तर भारत के शहरों जैसे कि लखनऊ के छोटे और मझोले उद्यमियों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुँचाने के लिए अपने सशक्त नेटवर्क के जरिए मदद कर रही है। इसके तहत भारत से आने–जाने वाली कुल 23 साप्ताहिक उड़ानों का संचालन किया जा रहा है।

अत्यावश्यक शिपमेंट्स को 2 3 कार्यदिवसों में प्रमुख वैश्विक बाजारों में पहुँचाया जाता है।

4 एएमईए बाजारों में किफायती अंतरराष्ट्रीय ई–कॉमर्स शिपिंग, 1 3 दिनों में डिलीवरी।'

और तो और, लखनऊ में फेडेक्स डिजिटल इंटेलिजेंस के लिये निवेश कर रही है, ताकि एसएमई अपने परिचालन को आसान बना सकें और शिपमेंट की पूरी विजिबिलिटी को बेहतर कर सकें।

फेडेक्ध्स इम्ध्पोर्ट टूल (एफआईटी) रियल–टाइम ट्रैकिंग, डिजिटल डॉक्ध्युमेंटेशन और पूर्वसक्रिय अलर्ट्स से आयातों को कारगर बनाता है।

फेडेक्ध्सो डिलीवरी मैनेजर इंटरनेशनल (एफडीएमआई) ग्राहकों को डिलीवरी की प्राथमिकता तय करने की सुविधा देता है।

फेडेक्ध्स शिप मैनेजर ⁊ लेबल जनरेशन और कागजी कामों को ऑटोमेट करता है, जबकि इलेक्ट्रॉनिक विद ओरिजिनल्ध्स फीचर डिजिटल सबमिशंस से कस्टम क्ध्लीयरेंस में तेजी लाता है।

फेडेक्ध्स वन–स्टॉप शॉप (एफओएसएस) एक सिंगल और यूजर–फ्रैंडली प्लेटफॉर्म में फेडेक्स एक्सप्रेस और फेडेक्स लॉजिस्टिक्स को इंटीग्रेट करके लॉजिस्टिक्ध्स को आसान बनाती है।

फेडेक्स वैश्विक क्षमताओं को स्ध्थानीय जानकारियों से मिलाकर भारत के एसएमई की आकांक्षाओं को सशक्ध्त करने के लिये प्रतिबद्ध है। जैसा कि चेन्ध्नई सुपर किंग्स के साथ उसकी हालिया डिजिटल ब्रैंड फिल्ध्म में दिखता है, फेडेक्स कुछ हटकर सोचने के उत्ध्साह का समर्थन कर रही है। यह फिल्ध्म बिजनेस के लिये हिम्ध्मत से भरे सपनों को सराहती है और कंपनी उन आइडियाज को दुनिया में सफलता की गाथाएं गढ़ने वाला बनाने के लिये उद्यमियों की सहायता कर रही है।

ज्यादा जानकारी के लिये फेडेक्स शिपिंग सर्विस साइट को विजिट करें।

उद्गम और गंतव्य के अनुसार ट्रांजिट टाइम अलग हो सकते हैं। पूरी जानकारी के लिये, कृपया rates and transit time पेज पर जाएं।

नालंदा शिक्षण संस्थान के बच्चो ने इंटर में सफलता पाई

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

सीबीएससी बोर्ड नई दिल्ली से सम्बद्ध नालंदा शिक्षण संस्थान, उधारनपुर में इंटरमीडिएट की परीक्षा में कुल 59 छात्रध्छात्राए ने प्रतिभाग किया था जिसमें से 57 छात्रध्छात्राओ ने सफलता हासिल की।इस प्रकार स्कूल के इंटरमीडिएट का परीक्षाफल 96. 61: रहा हैपविद्यालय में अधिकतम अंक प्राप्त करने वाले रिषभ वर्मा पुत्र राजकुमार वर्मा निवासी दिलेरगंज ने 93.2 : अंक प्राप्त किए।दूसरे स्थान पर मयंक प्रताप सिंह पुत्र संदीप सिंह निवासी बारीपुर ने 92.8 प्रतिशत अंक और यशी सिंह पुत्र हरि बख्श सिंह निवासी महुआ टोला ने 91प्रतिशत अंक अर्जित करके स्कूल में तीसरा स्थान प्राप्त किया इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमन डॉ सोम शेखर दीक्षित व विद्यालय डायरेक्टर प्रखर दीक्षित एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य एम.एच. नकवी ने सभी छात्रध्छात्राओं और अभिभावकों को छात्र ध्छात्राओं की अच्छी सफलता पर बधाई एवं शुभकामनाये देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना की।

शोध छात्रों के लिए मील का पत्थर साबित होगा शोध केन्द्र- प्रो. राकेश कुमार यादव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर में स्थित इडुनिक पब्लिकेशन द्वारा 12 मई, 2025 को सायं काल में इडुनिक शोध एवं मनोवैज्ञानिक परीक्षण केन्द्र की स्थापना की गई है। बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर शोध केन्द्र का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रो. राकेश कुमार यादव के कर–कमलों से सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधान में कहा कि जिस प्रकार ज्ञान का संचय धर्म शास्त्रों, शिलालेखों, पुस्तकों, समाचार पत्र, पत्र पत्रिकाओं, पुस्तकालय एवं संग्रहालय में है उसी प्रकार ज्ञान का विकास शोध, खोज और सूक्ष्म चिंतन से होता रहता है। शिक्षा के विभिन्न संकायों विज्ञान, कला, वाणिज्य, कृषि, साहित्य, अभियांत्रिकी आदि में निरंतर नए ज्ञान का आविष्कार होता रहता है तथा पुराने ज्ञान को परिमार्जित किया जाता रहता है। प्रो. यादव ने आगे कहा कि यह रिसर्च सेंटर शोध छात्र–छात्राओं तथा चौदह वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। शोध छात्र छात्राओं के लिए पुरातन साहित्य उपलब्ध कराना तथा बच्चों की अभिवृद्धि एवं विकास का अध्ययन करने के लिए मनोवैज्ञानिक परीक्षण का प्रयोग करना समय की मांग है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि बिहार राज्य सरकार में शिक्षक अभिषेक सिंह ने कहा कि बच्चों की शिक्षा उपभोग के रूप में दी जानी चाहिए निवेश मानकर नहीं। ऐसा करने से आने वाली पीढ़ी को भविष्य बेहतर होगा। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत्त पदाधिकारी उत्तर प्रदेश विद्युत कार्पोरेशन के सभाजीत यादव ने किया और कहा कि माता–पिता तथा अभिभावकों को अपने बच्चों को समझने बूझने की आवश्यकता है। बच्चों के शारीरिक, मानसिक, शैक्षिक, सामाजिक विकास में उसकी रुचि का ध्यान रखना चाहिए। इस अवसर पर एआरपी, सिकरारा संतोष मिश्रा, ब्रह्मजीत सिंह, रणजीत सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किया। इससे पूर्व उद्घाटन भाषण इडुनिक रिसर्च सेंटर के संस्थापक डॉ. अरविन्द कुमार यादव दिया। धन्यवाद ज्ञापन राजकुमार यादव ने किया। इस अवसर संदीप गुप्ता, बादल यादव, रंजीत चौहान, भारतेन्दु यादव, लक्ष्य यादव, प्रिंस यादव, अंकुश, विवेक, देवाशीष, हर्षित, अमित आदि उपस्थित रहे।

संचित मिश्र ने सीबीएसई बोर्ड परीक्षा मे 85 प्रतिशत अंक अर्जित कर माता–पिता का किया नाम रोशन

अयोध्या। दैनिक स्वतंत्र चेतना के छायाकार नरेंद्र मिश्र के पुत्र संचित मिश्र ने हाई स्कूल सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में 85% अंक प्राप्त अपने माता–पिता का नाम रोशन किया। बताते चले संचित मिश्र ने केंद्रीय विद्यालय में अध्यनरत हैं। इस सफलता पर उनके माता–पिता के अलावा आसपास के लोगों ने भी संचित मिश्र को शुभकामना देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

सीबीएसई इंटर के रिजल्ट में जनपद की टॉपर बनी तेजस्वी सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उमानाथ सिंह हायर सेकेंडरी स्कूल की छात्रा तेजस्वी सिंह ने सीबीएसई के मंगलवार को इंटर के घोषित रिजल्ट में 99.4 प्रतिशत अंक पाकर जनपद की टॉपर बनी।उनकी सफलता से पूरे विद्यालय परिवार में हर्ष व्याप्त हो गया है। रामपुर थाना क्षेत्र के सरायडीह गांव निवासी दीवानी न्यायालय के अधिवक्ता अमित कुमार सिंह एडवोकेट शहर के रूहट्टा मुहल्ले

में परिवार के साथ रहते है।अमित की पत्नी सुनीता कुमारी बिहार के जमुई में जूनियर हाईस्कूल में अध्यापिका है।इनकी दो संतान है।बड़ी बेटी तेजस्वी सिंह इंटर की तथा पुत्र सिद्धांत सिंह हाइस्कूल में थे।तेजस्वी सिंह के परिणाम की खबर सुनते ही परिवार में खुशी व्याप्त हो गयी।सभी ने तेजस्वी को मिठाई खिलाकर बधाई व शुभकामनाएं दिया।स्कूल की तरफ से तेजस्वी को प्रधानचार्य डॉ ब्रूनो डी नाजरेथ,उप प्रधानचार्य कृष्णा यादव आदि ने मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दिया।प्रबन्धक शिवेंद्र प्रताप सिंह ने तेजस्वी सिंह के इस सफलता पर बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना किया।

विवाद के बाद युवती पर फेंका गर्म भोजन,भर्ती

अयोध्या।पूराकलंदर थाना क्षेत्र के भदोखर गांव के मजरे कासिमपुर में वाद–विवाद के बाद दो युवकों ने एक युवती पर गर्म भोजन फेंक दिया। हमले में झुलसी युवती को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।पुलिस ने युवती के भाई की तहरीर पर सगे भाइयों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।गांव में रविवार को अनिल कुमार के यहां आयोजित मुंडन संस्कार को लेकर देर शाम भोजन की व्यवस्था की गई थी।कुलदीप और अमित के परिवार के लोग निमंत्रण में गए थे। कुलदीप पुत्र जगदेव प्रसाद कोरी और अमित पुत्र नंदलाल कोरी के परिवार के बीच पुरानी रंजिश चल रही है। किसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई और भोजन कर रहे अमित व विवेक ने गर्म खाना सानिया (19) पर फेंक दिया,जिससे सानिया का चेहरा झुलस गया। जिला अस्पताल पहुंचाये जाने पर युवती की हालत गंभीर देख चिकित्सक ने उसको भर्ती कर लिया। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र सिंह ने बताया कि पीड़िता के भाई कुलदीप पुत्र जगदेव प्रसाद के तहरीर पर अमित और विवेक पुत्रगण नन्द लाल के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर मामले की छानबीन कराई जा रही है।

शुभी ने 97 प्रतिशत से अधिक तो प्रियांशी ने 83 प्रतिशत से अधिक अंक लाकर माता पिता का नाम किया रोशन

अयोध्या।यूपी बोर्ड की तरह इस बार भी सीबीएसई बोर्ड की इंटर व हाई स्कूल परीक्षा में बालिकाओं ने अच्छे अंक लाकर अपने माता–पिता के साथ–साथ जिले का नाम रोशन किया।इसी कड़ी में शहर के शक्तिनगर कॉलोनी के निवासी डिप्टी जनरल मैनेजर स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया भिलाई प्लांट इंजीनियर सौरभ श्रीवास्तव तथा आकांक्षा श्रीवास्तव की पुत्री शुभी श्रीवास्तव ने हाई स्कूल सीबीएसई बोर्ड की परीक्षा में 97 प्रतिशत से अधिक अंक लाकर अपने माता–पिता का नाम रोशन किया है।बताते चले कि शुभी श्रीवास्तव जिले के प्रसिद्ध नाक कान रोग विशेषज्ञ डॉक्टर गौरव श्रीवास्तव की भतीजी तथा समाज सेवी कैलाश लाल श्रीवास्तव की पौत्री है। वही थाना खंडासा क्षेत्र के बरौली गांव निवासी प्रमोद श्रीवास्तव व प्रीती श्रीवास्तव की पुत्री प्रियांशी श्रीवास्तव ने सीबीएसई इंटर बोर्ड परीक्षा मे 83.2 प्रतियोगिता अंक लाकर अपने माता पिता का नाम रोशन किया है।इससे पहले प्रियांशी श्रीवास्तव ने हाई स्कूल सीबीएसई बोर्ड परीक्षा मे 78 प्रतिशत से अधिक अंक लाई थी।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।